

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच



वर्ष- 18 अंक - 33 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 16 नवम्बर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छठ पूजा : उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रतियों ने पूरा किया निर्जला उपवास





■ दुर्ग-भिलाई, रायपुर सहित पूरे प्रदेश में धूमधाम से मनाया गया छठ पर्व

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में महापर्व छठ के चौथे और आखिरी दिन सोमवार को उगते सूर्य की उपासना की गई। इसके साथ ही व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास पूरा हो गया। प्रदेशभर के छठ घाटों पर सुबह से ही व्रती और श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी। राजधानी रायपुर, दुर्ग भिलाई, राजनांदगांव, कोरबा, बिलासपुर, रायगढ़ सहित प्रदेश के सभी शहरों व कस्बों में छठ पूजा धूमधाम से मनाई गई।

मुख्यमंत्री साय ने सपत्निक दिया उगते सूर्य को अर्घ्य

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को छठ महापर्व के पावन अवसर पर अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय के साथ जशपुर जिले के कुनकुरी स्थित छठ घाट में उगते सूर्यदेव को उषा अर्घ्य अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान सूर्यदेव और छठी मैया से प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, खुशहाली और छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति की मंगलकामना की।

खास - खबर

छत्तीसगढ़ में 17 नवंबर से 01 दिसंबर तक ऑडिट पखवाड़ा

रायपुर। भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक कार्यालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), रायपुर द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 17 नवंबर से 01 दिसंबर 2026 तक ऑडिट पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान राज्य शासन के विभिन्न विभागों और महालेखाकार कार्यालय के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा छत्तीसगढ़ राज्य के लेखों की गुणवत्ता को और उत्कृष्ट बनाने के उद्देश्य से 26 नवंबर को राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी। कार्यशाला का उद्घाटन वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा किया जाना प्रस्तावित है। ऑडिट पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित यह कार्यशाला 26 नवंबर को पूर्वाह्न 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक महालेखाकार आवासीय परिसर, रायपुर स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित होगी। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य राज्य की वित्तीय एवं लेखा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना, शासकीय विभागों और महालेखाकार कार्यालय के बीच आपसी समन्वय बढ़ाना तथा राज्य के लेखों की गुणवत्ता में सुधार लाना है।

जय शाह फिर बने आईसीसी अध्यक्ष, निर्विरोध हुआ चयन

नईदिल्ली। जय शाह लगातार दूसरी बार



अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष बन गए हैं। जय शाह को निर्विरोध आईसीसी का अध्यक्ष चुना गया है। इंडोनेशिया के बाली में आयोजित आईसीसी बोर्ड की बैठक के दौरान जय शाह के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए आईसीसी बोर्ड ने उन्हें एक और कार्यकाल की जिम्मेदारी सौंपी है। दूसरी बार आईसीसी अध्यक्ष चुने जाने पर जय शाह ने कहा, आईसीसी बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। सभी निदेशकों के निरंतर विश्वास और समर्थन के लिए मैं उनका आभारी हूं। आईसीसी के चेयरमैन के रूप में काम करना मेरे लिए सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। मैं दुनिया भर में क्रिकेट के हितों को आगे बढ़ाने के लिए सभी सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी में गड़बड़ी रोकने प्रशासन सख्त, धमतरी में 1660 कट्टा धान जब्त

अवैध भंडारण और परिवहन के विरुद्ध चार अलग-अलग कार्रवाई, परिवहन मार्गों में निगरानी तेज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी शुरू होने के साथ ही कोचिए सक्रिय हो गए हैं। 15 नवंबर को एक ओर सरकार ने धान खरीदी का शुभारंभ किया और दूसरी ओर धमतरी में धान के अवैध भंडारण का खुलासा हुआ। नगरी क्षेत्र सहित विभिन्न स्थानों पर की गई चार अलग-अलग कार्रवाई में कुल 1,660 कट्टा एवं बोरी धान जब्त किया गया है।

राज्य शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर धमतरी के मार्गदर्शन में राजस्व एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीमें धान उपार्जन केंद्रों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, गोदामों और प्रमुख परिवहन मार्गों पर लगातार निगरानी रख रही हैं। जांच के दौरान बिना आवश्यक दस्तावेजों के धान का भंडारण पाए जाने पर मंडी अधिनियम के प्रावधानों के तहत जब्ती की कार्रवाई की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगरी तहसील अंतर्गत ग्राम सांकरा में व्यापारी शोभानाथ गोस्वामी के गोदाम की जांच के दौरान 150 कट्टा धान पाया गया।

धान के भंडारण से संबंधित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर राजस्व एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम ने उक्त धान जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की। इसी प्रकार 15 नवंबर को ग्राम सिंगपुर में मंडी विभाग की टीम ने चौतराम साहू से संबंधित प्रकरण में 32 कट्टा धान जब्त किया। जब्त धान की कुल मात्रा 12.80 क्विंटल है।



वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने पर की गई जब्ती कार्रवाई

प्रशासन की जांच कार्रवाई के दौरान 16 नवंबर को नगरी स्थित व्यापारी खेमचंद केवलचंद फर्म के गोदाम में बड़ी मात्रा में धान का भंडारण पाया गया। जांच में 1,178 कट्टा धान के संबंध में वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने पर संयुक्त टीम ने मंडी अधिनियम के तहत जब्ती की कार्रवाई की। यह कार्रवाई जिले में धान के अवैध भंडारण की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी है। इसके अतिरिक्त 16 नवंबर को बनरौद नाका में प्रशासनिक टीम ने जांच के दौरान 300 बोरी धान जब्त किया। जब्त धान को आगे की आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के लिए संबंधित पुलिस थाने के सुपुर्द कर दिया गया है।

जारी रहेगा जांच अभियान

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का लाभ वास्तविक एवं पात्र किसानों तक पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए धान के अवैध भंडारण, अनधिकृत परिवहन तथा उपार्जन केंद्रों में अवैध धान खपाने की कोशिशों पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया गया है। प्रशासन द्वारा गोदामों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, परिवहन मार्गों और जांच नाकों पर सतत निगरानी रखी जा रही है। धान खरीदी की पूरी अवधि में जांच अभियान जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों एवं व्यापारियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। राज्य शासन का उद्देश्य धान खरीदी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित, पारदर्शी और किसान हितैषी बनाए रखना है, ताकि किसानों को अपनी मेहनत की उपज बेचने में किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी न हो और शासन की खरीदी व्यवस्था का लाभ पात्र किसानों को ही प्राप्त हो।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात

छत्तीसगढ़ में बदलेगा मौसम, 7 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट



श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बंगाल की खाड़ी में संभावित चक्रवाती तूफान को देखते हुए छत्तीसगढ़ के 7 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना डीप डिप्रेशन सोमवार शाम तक दक्षिण और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के मध्यवर्ती हिस्सों में चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। आईएमडी ने मंगलवार शाम तक इसके गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने का अनुमान जताया है। इसके और अधिक तीव्र होने तथा अगले दो दिनों में उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए आंध्र प्रदेश के तट की तरफ जाने की संभावना है।

मौसम विभाग के मुताबिक संभावित चक्रवात के कारण छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में मौसम बदल सकता है। मौसम विभाग ने संभाग के 7 जिलों में हल्की बारिश और बिजली गिरने की आशंका जताई है। इनमें कांकेर, नारायणपुर, कोंडागांव, बीजापुर, बस्तर, दंतेवाड़ा और सुकमा शामिल हैं। इन सभी जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, प्रदेश के बाकी हिस्सों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।

प्रदेश में रात के तापमान में ठंड का असर बना हुआ है। रविवार को अंबिकापुर में सबसे कम 12.5 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। वहीं दुर्ग में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 32 डिग्री रहा। रायपुर में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18.2 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 1.1 और 0.4 डिग्री अधिक रहा।

महासमुंद जेल की दीवार फांदकर भागे चार बंदी

■ एनडीपीएस व चोरी के अपराध में बंद थे सभी, तलाश में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है। महासमुंद जिला जेल की सुरक्षा में बड़ी चूक देखने को मिली है, जहां सोमवार सुबह करीब 4 बजे 4 कैदी जेल की ऊंची दीवार फांदकर फरार हो गए। इनमें से तीन कैदी एनडीपीएस एक्ट और एक चोरी के मामले में बंद था। घटना के बाद से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है और फरार आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है।



मिली जानकारी के अनुसार, रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब 4 बजे कैदियों ने भागने की यह योजना बनाई। दीवार फांदने के लिए कैदियों ने जेल में मिलने वाले कंबलों का इस्तेमाल किया। कुल पांच कैदी भागने की फिराक में थे, जिनमें से चार कैदी तो दीवार लांघने में कामयाब हो गए, लेकिन पांचवां कैदी दीवार फांदते वक्त नीचे गिर गया और चोट लगने या नाकामी के चलते भाग नहीं सका। उसे जेल प्रशासन ने दोबारा पकड़ा लिया।

जेल प्रशासन ने बताया कि, फरार होने वाले चार कैदियों में से तीन धरमवीर, लीलाधर और राजेंद्र है। नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त होने के कारण एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल में बंद थे। वहीं चौथा फरार आरोपी पंचराम है, जो चोरी के मामले में बंद था। घटना की पुष्टि महासमुंद के एडिशनल एसपी ने कर दी है। जेल प्रशासन और स्थानीय पुलिस की टीमें फरार कैदियों की तलाशी के लिए जिलेभर में नाकाबंदी कर दबिश दे रही हैं।

सीता की नगरी जनकपुर नेपाल व रामनगरी अयोध्या के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

■ भारतीय रेलवे ने साप्ताहिक ट्रेन सेवा को दी मंजूरी

नईदिल्ली। भारत-नेपाल कनेक्टिविटी को मज़बूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, इंडियन रेलवे ने नेपाल में जनकपुर धाम और भारत में उत्तर प्रदेश के अयोध्या के बीच एक नई साप्ताठहिक ट्रेन सर्विस शुरू करने को मंज़ूरी दे दी है। यह सर्विस रामायण परंपरा से गहराई से जुड़े दो जगह जनकपुर धाम (माता सीता का जन्मस्थान) और अयोध्या (प्रभु श्री राम का जन्मस्थान) के बीच एक ज़रूरी रेल लिंक बनाएगी। इस पहल से दोनों देशों के यात्रियों को इन खास धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों तक बेहतर पहुंच मिलेगी,



साथ ही उनकी साझा सभ्यता की विरासत भी मज़बूत होगी।

लगभग 604 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली यह साप्ताहिक सेवा जनकपुर धाम को अयोध्या कैंट से जोड़ेगी, और बिहार और उत्तर प्रदेश के कई महत्वपूर्ण कस्बों और शहरों से होकर गुज़रेगी। ट्रेन के टर्मिनल स्टेशनों के अलावा जयनगर, मधुबनी, शिशो, सीतामढ़ी, रक्सौल, नरकटियागंज, गोरखपुर, बस्ती, मनकापुर और अयोध्या धाम पर वाणिज्यिक ठहराव होंगे। यह सर्विस हफ़्ते में एक बार चलेगी, और इसकी शुरुआत शनिवार को जनकपुर धाम से और सोमवार को अयोध्या कैंट से होगी। नई सर्विस से तीर्थयात्रियों, टूरिस्ट और दूसरे यात्रियों के लिए बॉर्डर पार यात्रा ज़्यादा आसान होने की उम्मीद है। इससे जनकपुर और अयोध्या के बीच धार्मिक यात्राएं आसान होंगी, रामायण से जुड़े टूरिज्म सर्किट को बढ़ावा मिलेगा और पढ़ाई, बिज़नेस और परिवार से जुड़े कामों के लिए यात्रा करने वाले लोगों को ज़्यादा मोबिलिटी मिलेगी। बेहतर रेल पहुंच से पर्यटन ऑपरेटरों, आतिथ्य प्रतिष्ठानों, स्थानीय व्यापारियों और पारंपरिक कारीगरों के लिए अवसर पैदा करके मार्ग के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को भी लाभ होने की उम्मीद है। बिहार और नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में समुदायों के लिए, यह सेवा एक अतिरिक्त यात्री परिवहन विकल्प प्रदान करेगी और आर्थिक और सामाजिक संबंधों को मजबूत करेगी

भारत-नेपाल मैत्री को मजबूत करने का प्रयास

भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक रिश्ते हैं, जिसमें धार्मिक परंपराएं और बॉर्डर पार के समुदायों के बीच रिश्ते इस पार्टनरशिप का एक अहम हिस्सा हैं। जनकपुर से अयोध्या के बीच नई ट्रेन सर्विस समुदायों को करीब लाने के लिए रेलवे कनेक्टिविटी का इस्तेमाल करके आपसी सहयोग में एक और पहलू जोड़ेगी। इस पहल के माध्यम से, भारतीय रेलवे क्षेत्रीय पर्यटन, आर्थिक गतिविधि और दोनों पड़ोसी देशों के बीच स्थायी मित्रता का समर्थन करते हुए यात्री संपर्क का विस्तार करना जारी रखे हुए है।



संपादकीय

मुश्किलों के डेटा सेंटर

लोग न चुकाएं एआई विस्तार की कीमत

आज चारों तरफआर्टिफशियल इंटेलिजेंस का हौवा नजर आता है, जिसके लिए मानव की नैसर्गिक प्रतिभा और जीवन के जरूरी अवयवों को नजरअंदाज किया जा रहा है। माना कि एआई के विस्तार से आर्थिक विकास के नए अवसर पैदा हो रहे हैं, जिसके लिए डेटा सेंटरों का तेजी से अंधाधुंध विस्तार हो रहा है। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका, यूरोप और भारत में इनके खिलाफ बढ़ता विरोध एक अहम चेतावनी भी है। निस्संदेह, तकनीकी प्रगति होनी चाहिए, लेकिन इसकी कीमत समाज और पर्यावरण को नहीं चुकानी चाहिए।

> अमेरिका में हालिया मध्यावधि चुनावों में डेटा सेंटर परियोजनाओं को लेकर लोगों का गुस्सा भी सामने आया है। वास्तव में, दुनिया भर के लोग डेटा सेंटरों को चलाने में इस्तेमाल होने वाली भारी-भरकम बिजली और पानी के बेतहाशा इस्तेमाल को लेकर नाराज हैं। वे स्थानीय संसाधनों पर पड़ने वाले इनके नकारात्मक प्रभावों को लेकर चिंतित हैं। यही वजह है कि अमेरिका के टेक्सास में पानी की घटती आपूर्ति को लेकर किसानों का गुस्सा वहां एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है।

अमेरिका में हालिया मध्यावधि चुनावों में डेटा सेंटर परियोजनाओं को लेकर लोगों का गुस्सा भी सामने आया है। वास्तव में, दुनिया भर के लोग डेटा सेंटरों को चलाने में इस्तेमाल होने वाली भारी-भरकम बिजली और पानी के बेतहाशा इस्तेमाल को लेकर नाराज हैं। वे स्थानीय संसाधनों पर पड़ने वाले इनके नकारात्मक प्रभावों को लेकर चिंतित हैं। यही वजह है कि अमेरिका के टेक्सास में पानी की घटती आपूर्ति को लेकर किसानों का गुस्सा वहां एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है। कमोबेश ऐसा ही गुस्सा अमेरिका के अन्य राज्यों और कुछ यूरोपीय देशों में भी देखने को आ रहा है। इस विरोध का संदेश साफ है कि लोग अब उन बड़े फैसलों पर अपनी राय रखना चाहते हैं, जिनका असर उनके जीवन पर सीधा पड़ता है। इसी तरह, भारत में भी महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्य आज इस मुद्दे को लेकर अहम मोड़ पर खड़े नजर आते हैं।

निस्संदेह, बड़े डेटा सेंटर प्रस्ताव निवेश की महत्वाकांक्षी पहल के साथ डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत कर सकते हैं। इससे रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। लेकिन इसके बावजूद कंपनियों को संसाधनों के प्रबंधन के जवाबदेह तौर-तरीकों को प्राथमिकता देनी चाहिए। हर डेटा सेंटर परियोजना में तीन मुख्य पहलुओं पर ध्यान देना चाहिए, जिनमें व्यापार, समुदाय और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाया जाए। कंपनियों को ऊर्जा की खपत कम करने वाली तकनीकों, नवीकरणीय ऊर्जा और टिकाऊ कूलिंग सिस्टम को प्राथमिकता देनी चाहिए। वहीं, कम-से-कम पानी की खपत करने वाली तकनीकों में निवेश करना चाहिए। आंध्र प्रदेश के भोगापुरम में हालिया स्थानीय निकाय चुनावों में दो किसान जीते, जिसकी मुख्य वजह यह थी कि डेटा सेंटरों को लेकर उनकी चिंताएं मतदाताओं को तार्किक लगीं। किसी भी परियोजना को मंजूरी मिलने से पहले वहां के निवासियों को संसाधनों की खपत, पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव और परियोजना से होने वाले आर्थिक लाभों की जानकारी दी जानी चाहिए। विकास कार्यों में स्थानीय लोगों को केवल मूकदर्शक मानने के बजाय उनकी अहम हिस्सेदारी होनी चाहिए। निस्संदेह, डेटा सेंटर भारत के डिजिटल भविष्य को गति देने में योगदान कर सकते हैं। लेकिन इनकी सफलता को केवल निवेश के आंकड़ों या कंप्यूटिंग क्षमता से ही नहीं मापा जा सकता। वास्तव में, यह देखा जाना चाहिए कि स्थानीय लोगों को कितने रोजगार मिले, वहां कितने संसाधनों की बचत की गई और इससे स्थानीय समुदायों को कितना संबल मिला। सही मायने में, किसी भी विकास का लाभ सभी हितधारकों को मिलना चाहिए, न कि केवल बड़ी तकनीकी कंपनियों को।

संदेह और सावधानी के बीच एक बारीक-सी रेखा होती है

पं. विजयशंकर मेहता

शक करना मनुष्य का स्वभाव है। कोई इतना उदार नहीं हो सकता कि संदेह करे ही नहीं। लेकिन अधिकांश लोग जहां संदेह करना चाहिए, वहां विश्वास कर लेते हैं और जहां विश्वास करना चाहिए, वहां शक करते हैं। जीवन में तीन क्षेत्र ऐसे हैं, जहां शक करने का मामला चलता ही रहता है- चरित्र, बच्चों का लालन-पालन और धन। यदि लापरवाह हो गए तो ये तीनों मामले बिगड़ सकते हैं। संदेह करना दुर्गुण नहीं है। संदेह करके हम किसी को अपमानित भी नहीं कर रहे हैं। लेकिन संदेह व सावधानी के बीच एक बारीक रेखा है। सावधानी से संदेह करें। बाजार तो संदेह में डूबा ही रहता है। कोई वस्तु लेने जाओ, गारंटीड रिटर्न होता ही नहीं। जितना धन हमसे लिया जा रहा है, उतने की वस्तु हमें मिल रही है कि नहीं, यह शक स्वाभाविक है। लेकिन घरों में भी, रिश्तों में, बातचीत में, निर्णयों में संदेह उतर रहा है।

श्रीकृष्ण पर भी स्यमंतक मणि की चोरी और प्रसेनजित की हत्या का आरोप लगा था। द्वारका के लोग संदेह करने लगे था। फिर कृष्ण निष्कलंक निकल गए।

एक भारतीय प्रेम कहानी और राजनीतिक निहितार्थ

ज्योति मल्होत्रा



इसका कतई यह मतलब नहीं है कि यह किताब कांग्रेस पार्टी को उन राज्यों के चुनावों में कोई फायदा पहुंचाएगी, जहां वह फिलहाल चुनावी मैदान में है। हालांकि, जैसा कि हम जानते हैं, अतीत कभी पूरी तरह से अतीत नहीं बनता; वह अक्सर वर्तमान में आ खड़ा होता है।

सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग' भारत में व्यापक सुर्खियों में बनी हुई है। निश्चित ही, आप इस किताब विशेष की विषयवस्तु इसके मुखपृष्ठ से ही जान जाते हैं। इस पर एक युवा यूरोपीय महिला की श्वेत-श्याम तस्वीर है—जो अपने प्यार की खातिर आधी दुनिया पार कर भारत आई और उसके गुजर जाने के बाद भी यहीं बनी रही। वह तब भी डटी रही, जब विपक्ष और उसकी अपनी ही पार्टी के साथी विदेशी मूल होने को लेकर उस पर तंज कसते रहे। यह तस्वीर वाकई बहुत खूबसूरत है।

इतना ही नहीं, किताब में नाकाबिल-ए-माफी 55 त्रुटियों के बावजूद—स्पष्टत: जो खराब संपादन की वजह से बच निकलीं—ऐसा लगता है कि इस किताब ने गांधी परिवार और कांग्रेस को एक बार फिर राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में ला दिया है। निश्चित ही, कांग्रेस को उम्मीद है कि इससे पार्टी को एक नई जान मिलेगी, जो मौजूदा राजनीति से इतर बनी रहेगी। वह भी ऐसे समय में, जब पांच अहम राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, जो देश की राजनीति का स्वरूप बदल सकते हैं।

ऐसा लगता है कि शायद किताब के माध्यम से बेहतरीन संवाद बनाने की पुरजोर कोशिश की गई है। यह उच्च कोटि की कहानियों के प्रति भारतीयों के प्रेम की पर्याय है, यानी 'कथासरित्सागर' यानी कहानियों का महासागर। वह जिसका उपयोग करते हुए सलमान रुश्दी ने कुछ दशक पहले अपनी रचनाएं अंग्रेजी बोलने वाली दुनिया के सामने पेश की थीं। अटल बिहारी वाजपेयी को भी इसका उपयोग अपनी हिंदी कविताओं और चुटीले अंदाज से करने की समझ थी। शायद इसीलिए देश उन्हें बहुत प्यार करता था, भले ही उन्होंने हमेशा बीजेपी को वोट न दिया हो। सोनिया की यादों का पिटारा रूपी इस पुस्तक में एक बहुत ही प्यारा किस्सा है, जिसमें बताया गया है कि कैसे एक बार वाजपेयी ने सोनिया को समझाया था कि भले ही कांग्रेस और बीजेपी राजनीतिक रूप से एक-दूसरे के विरोधी हों, फिर भी राजनीति से इतर दोनों पक्षों के बीच एक रिश्ता सदा कायम रह सकता है। सालों बाद, जब वाजपेयी एक बार गंभीर रूप से अस्वस्थ हुए और सोनिया उनका हाल-चाल पूछने गईं, तो उन्होंने बिना कुछ कहे बस अपना हाथ बढ़ाया और सोनिया का हाथ थाम लिया।

आप सोनिया की किताब को ब्लिंकइट पर भी ऑर्डर कर सकते हैं—यह भी उनकी राजनीतिक रणनीति का ही एक हिस्सा है। पुस्तक विक्रेताओं तक किताब पहुंचने से कुछ दिन पहले ही, कांग्रेस की इस वरिष्ठ नेता की पुस्तक का विमोचन इंस्टाग्राम पर भी हुआ। इंस्टाग्राम पर प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता की तुलना में वे अभी काफी पीछे हैं—पिछले तीन हफ्तों में उनके केवल 3,55,000 फॉलोअर्स हुए हैं, जबकि प्रधानमंत्री के अकाउंट के 10.7 करोड़ फॉलोअर्स हैं। किताब का मंतव्य भारत के सबसे पुराने राजनीतिक वंश की जटिल और अक्सर विरोधाभासी कहानियों को देश के विशाल युवा वर्ग तक पहुंचाना है। इसका उद्देश्य अतीत को उसके सभी रंगों, जिनमें कुछ धुंधले या विवादास्पद पहलू भी शामिल हैं, के साथ फिर से जीवंत करना है और देश को यह याद दिलाना है कि गांधी परिवार के साथ उसका एक विशेष नाता कैसे है।

यह तमाम कोशिशें बिक्री कला की उस पुरानी कहावत को सच साबित करती हैं कि प्रचार अच्छा हो या बुरा, आखिर प्रचार तो प्रचार ही होता है। एक 'भारतीय प्रेम कहानी' से बेहतर और क्या हो सकता है, जिसकी मुख्य नायिका 'भारत माता' हो और जिसके किरदार दुनिया के अलग-अलग हिस्सों और विभिन्न धर्मों से जुड़े हों?

इसका कतई यह मतलब नहीं है कि यह किताब कांग्रेस पार्टी को उन राज्यों के चुनावों में कोई फायदा पहुंचाएगी, जहां वह फिलहाल चुनावी मैदान में है। हालांकि, जैसा कि हम जानते हैं, अतीत कभी पूरी तरह से अतीत नहीं बनता; वह अक्सर वर्तमान में आ खड़ा होता है। यह बात पंजाब के लिए उतनी ही सच है, जहां आज भी 1984 के सिख-विरोधी दंगों की भयावह यादें ताज़ा हैं; और उत्तर प्रदेश के लिए भी, जिसने राम मंदिर बनाने के वादे पर बार-बार बीजेपी को सत्ता में पहुंचाया—और अब सवाल यह है कि क्या अयोध्या के मंदिर में हुई चोरी की घटना इसके राजनीतिक भाग्य पर कोई असर डालेगी?

पंजाब और दिल्ली में, सोनिया गांधी द्वारा 1984 के 'नरसंहार' को 'दुखद और शर्मनाक' बताए जाने से काफी हलचल हुई है। बीजेपी ने सिख-विरोधी दंगों में अपने पति खोने वाली कुछ विधवाओं को गुरुद्वारा रकाब गंज में इकट्ठा किया, ताकि वे अपनी आपबीती सुना सकें—कि कैसे दंगे भड़काने के दोषी कांग्रेस नेता सज्जन कुमार की कुछ महीने पहले जेल में मौत हो जाने के बावजूद, प्रभावित 2,800 परिवारों में से किसी को भी आज तक सही मायने में न्याय नहीं मिला है।

बीजेपी यहां सही है; कांग्रेस पार्टी ने 1984 के दंगों के लिए कभी औपचारिक रूप से माफी नहीं मांगी है। 11-12 अगस्त 2005 को, तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने राज्यसभा में करीब-करीब माफी जैसा बयान जरूर दिया था। यह बयान नानावती आयोग की रिपोर्ट पेश किए जाने के तुरंत बाद आया था, जिसका गठन पांच साल पहले, वर्ष 2000 में, बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए ने 1984 के दंगों के कारणों, उनके दायरे और घटनाओं के क्रम की जांच के लिए किया था। डॉ. सिंह ने कहा था : 'इन दुखद घटनाओं ने देश की अंतरात्मा को गहरा घाव दिया है और संविधान में निहित 'भारतीय राष्ट्र' की अवधारणा को नकारा है।'

यह कांग्रेस की ओर से पटल पर रखा गया कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री के तौर पर अपनी पार्टी और देश की ओर से इतना भर बोलना कांग्रेस को उम्मीद थी कि काफी रहेगा। इससे छह साल पहले, 1999 में कांग्रेस अध्यक्ष बनने के तुरंत बाद, सोनिया गांधी पंजाब कांग्रेस प्रमुख कैप्टन अमरिंदर सिंह के साथ स्वर्ण मंदिर गई थीं। (कैप्टन सिंह ने मुझे बताया था कि वे सोनिया गांधी को दो बार दरबार साहिब ले गए थे।) उनकी इस यात्रा को एक तरह से सांकेतिक माफी के तौर पर पेश किया गया, हालांकि सोनिया गांधी ने कभी शाब्दिक रूप में अपना दुख नहीं जताया। इसके तीन साल बाद, 2002 में, पंजाब ने कैप्टन के नेतृत्व वाली कांग्रेस को जिताया। जहां तक राहुल गांधी की बात है, तो उन्होंने पिछले साल ही कहा था : '80 के दशक में जो हुआ, वह गलत था। मैं कई बार स्वर्ण मंदिर जा चुका हूं। भारत में सिख समुदाय के साथ मेरे बहुत अच्छे और प्रेमपूर्ण संबंध हैं।'

अवश्य ही, पंजाब का कांग्रेस के साथ रिश्ता जटिल है—1984 के बाद से पंजाब ने केवल तीन बार ही इस पार्टी को जिताया है। 1992 में बेअंत सिंह जीते थे, लेकिन तीन साल बाद आतंकवादियों ने उनकी हत्या कर दी। इसके बाद 2002 और 2017 में कैप्टन अमरिंदर सिंह के नेतृत्व में पार्टी सत्ता में आई—वे अब बीजेपी में शामिल हो चुके हैं।

ऐसे में, आगामी चुनावों में यह 'प्यार भरा रिश्ता' किस दिशा में आगे बढ़ेगा? इतना जरूर है कि पंजाब के लोगों को अपमान और बेइज्जती लंबे समय तक याद रहती है—उन्हें 1984 के दंगे याद हैं और यह भी याद है कि 2020-21 में उन्होंने बीजेपी की दिल्ली की नाकाबंदी क्यों की थी। इन दोनों से तंग आकर, पिछले चुनावों में उन्होंने आम आदमी पार्टी को भारी बहुमत दिया था।

अब सभी पक्ष साफ स्लेट पर फिर से अपनी-अपनी इबारत उकेरने की उम्मीद कर रहे हैं। बीजेपी अकाली दल के साथ गठबंधन करके मैदान में बने रहना चाहती है, कांग्रेस किसी तरह अपनी खोई जगह बनाना चाहती है और 'आप' को उम्मीद है कि वह अपनी सत्ता बरकरार रख पाएगी।

जहां आगामी कुछ हफ्तों और महीनों में राजनीति हावी रहेगी और सभी पक्ष अपना-अपना बेहतरीन स्वरूप पेश करेंगे, वहीं पंजाब के लोगों को उम्मीद है कि चुनाव उपरांत कम से कम सभी पक्ष एक साथ आएंगे, ताकि नशे की समस्या और गैंगस्टरों रूपी राक्षस को खत्म किया जा सके। यह करना एक बहुत बड़ी उम्मीद पालना है, लेकिन वे जानते हैं कि यह अस्तित्व का प्रश्न है।

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

बाहर के 'रावण' पर जीत के बजाय भीतर के 'राम' का उत्सव मनाएं

एन. रघुरामन



जब कोई कंपनी संकट में घिरती है, तो जांचकर्ता अकसर उसके सिस्टम, अकाउंट्स या कॉर्पोरेट प्रशासन में खामियां तलाशते हैं। लेकिन करीब 4 ट्रिलियन डॉलर मूल्य की चिपमेकर कंपनी एनवीडिया के सीईओ पद से इस्तीफा देने वाले जेन्सेन हुआंग की कहानी एक अलग सबक देती है।

अब 63 के हो चुके हुआंग ने 1993 में, महज 30 की उम्र में एनवीडिया की सह-स्थापना की थी। इन 33 वर्षों में उन्होंने इसे एआई क्रांति को शक्ति देने वाली कंप्यूटर चिप का सबसे बड़ा सप्लायर बना दिया। उन्होंने ऐसे समय पद छोड़ा, जब कंपनी का वैश्विक प्रभाव अपने चरम पर था।

इसलिए नहीं कि एनवीडिया को किसी गलत काम का दोषी पाया गया था, बल्कि इसलिए कि उनके निजी आचरण ने ऐसा संकट खड़ा कर दिया, जिसका दायरा उनके परिवार से आगे तक फैल गया और जिसने कॉर्पोरेट प्रशासन तथा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सवाल खड़े कर दिए।

कर्मचारियों को लिखे माफीनामे में हुआंग ने स्वीकारा कि उन्होंने पत्नी से बेवफाई की थी। उनकी यह स्वीकारोक्ति उनके और एलिस हुआंग के कथित संबंधों की खबरें आने के बाद सामने आई। एलिस मेगास्पीड इंटरनेशनल की एग्जीक्यूटिव रह चुकी हैं।

अमेरिकी खुफिया अधिकारियों को संदेह था कि वे बीजिंग के लिए काम करती हैं। हालांकि उनके चीनी जासूस होने के आरोप की पुष्टि नहीं हुई है और चीन ने भी इससे इनकार किया है। इस खबर के बाद विवाद ने नया मोड़ ले लिया कि हुआंग के एनवीडिया हेल्थकेयर वीपी किम्बर्ली पॉवेल से भी संबंध थे। ऐसे एक और मामले को लेकर भी खबरें सामने आई हैं।

एनवीडिया के बोर्ड ने इस आशंका की जांच के लिए स्वतंत्र जांच शुरू की कि कहीं जेन्सेन किसी विदेशी खुफिया अभियान का निशाना तो नहीं बने थे। बोर्ड ने कहा कि उसके पास यह मानने का कोई कारण नहीं है कि राष्ट्रीय सुरक्षा या एनवीडिया की गोपनीयता से समझौता हुआ है, लेकिन वह तमाम उपलब्ध सूचनाओं की पड़ताल करना चाहता है।

ये घटनाएं एक अहम बात की ओर ध्यान दिलाती हैं। कंपनी और उसके प्रबंधन का पूरा ध्यान शायद अपने सुरक्षा घेरे के बाहर मौजूद 'रावण' को परास्त करने पर रहा- प्रतिस्पर्धियों, बिजनेस में प्रतिद्वंद्वियों, पूर्व कर्मचारियों और बाजार के खतरों पर। लेकिन इस दौरान वे भीतर के 'राम' पर कम ध्यान दे पाए- यानी उन लोगों के चरित्र, विवेक और निजी आचरण पर, जिन्हें कंपनी का नेतृत्व सौंपा गया था।

ताकतवर लोगों को जाल में फंसाने के लिए निजी संबंधों का इस्तेमाल नई बात नहीं है। हमारा इतिहास, मिथक और उपन्यास ऐसी कहानियों से भरे पड़े हैं। भारतीय लोककथाओं में विषकन्याओं का उल्लेख मिलता है- ऐसी स्त्रियां, जिन्हें विष को हथियार की तरह इस्तेमाल करने का प्रशिक्षण दिया जाता था।

अंग देश के राजा लोमपाद की कथा भी है। अकाल का सामना कर रहे राजा ने गणिकाओं को जंगल भेजा, ताकि वे युवा साधु ऋष्यशृंग को मोहपाश में बांधकर राज्य में ले आएं। ऋष्यशृंग वर्षा के देवता को प्रसन्न करने की शक्ति रखते थे।

सैमसन और डिलाइला की कथा भी ऐसा ही सबक देती है। सैमसन इसराइली योद्धा था, जिसकी शारीरिक शक्ति असाधारण थी। उसके शत्रु फिलिस्तीनी उसकी शक्ति का रहस्य जानना चाहते थे। उन्होंने उसकी प्रेमिका डिलाइला को धन का लालच देकर यह रहस्य उगलवाने के लिए राजी कर लिया। डिलाइला ने पता लगा लिया कि सैमसन की शक्ति उसके बालों में निहित थी।

जब वह सो रहा था, तो उसने उसके बाल कटवा दिए। सैमसन की शक्ति जाती रही। फिलिस्तीनियों ने उसे बंदी बना लिया और अंतत: उसकी आंखें फोड़ दीं। ये कहानियां हमें अपनी कमजोरियों से सबक लेने के लिए सुनाई जाती हैं। किसी संगठन के सर्वाइवल और ग्रोथ के लिए सबसे बड़ा खतरा हमेशा उसके सुरक्षा घेरे के बाहर से नहीं आता। कई बार वह संगठन के भीतर ही पनपता है, शायद कॉर्नर के उस कैबिन में, जहां उसका सबसे ताकतवर अधिकारी बैठता है। इसलिए बाहर के 'रावण' को परास्त करने का उत्सव मनाने के बजाय भीतर के 'राम' का नियमित आकलन करते रहना चाहिए।

फंडा यह है कि हम संगठनों को बाहरी खतरों से बचाने के लिए तो जटिल व्यवस्थाएं खड़ी कर देते हैं, पर उन व्यवस्थाओं की रक्षा की जिम्मेदारी जिनको सौंपी जाती है, उनके चरित्र की पड़ताल करना हम अकसर भूल जाते हैं।

विकसित देश जिम्मेदारी निभाने को आगे आएं

सुरेश सेठ

धरती का सत्य यह है कि दुनिया के सबसे धनी देश अमेरिका सहित अन्य सभी पश्चिमी समृद्ध ताकतें पर्यावरण संकट को अपनी समस्या नहीं मान रही हैं। वे बयानबाजी अवश्य करती हैं, लेकिन धनराशि के योगदान के लिए प्रस्तुत नहीं होतीं।

धरती गर्म हो रही है। धरती के तापमान में 1850 से 1900 के बीच की अवधि की तुलना में 1.47 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो गई है। स्टेट ऑफ द क्लाइमेट रिपोर्ट, जिसे डब्ल्यूएमओ ने संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन, तुर्किए में जारी किया है, वह आने वाले महासंकट की ओर इशारा कर रही है। पिछले चार वर्षों का इतिहास देख लीजिए, हर वर्ष मौसम गर्म हो रहा है। वर्ष 2024 को इस सदी के इतिहास का सबसे गर्म साल कहा गया था, लेकिन 2026 का मौसम भी इसके आसपास है। यह धरती पर जीवन के लिए अज्ञात कठिनाइयां पैदा कर सकता है।

भारत में 2026 बहुत गर्म वर्ष रहा। बेशक, तापमान की यह उछाल 2026 को जहां एक गर्म वर्ष बना देती है, वहीं बारिश को बादल फटने और बाढ़ आने में तब्दील करके एक आपदा भी खड़ी कर देती है। उधर, हिमालय की चोटियों पर ग्लेशियरों की उम्र कम हो गई है। इसका कारण ग्लोबल वार्मिंग बताया जा रहा है। इससे ग्लेशियर जल्दी पिघल जाते हैं और वहां से पानी नीचे की ओर बहकर जलप्रलय की तबाही पैदा कर देता है। भारत ने इस वर्ष इसे भोगा। इसका सीधा नतीजा यह हुआ कि बुआई के लिए धरती कम हो गई, फसलों की गुणवत्ता कम हुई, जिससे अनाज के भंडारण में कमी पैदा हो गई। यही स्थिति अब गेहूं की फसल की न हो, जिसे हम बोने जा रहे हैं। इसलिए इस असंतुलन को पैदा करने वाले कारणों की थोड़ी पड़ताल कर लें।

महासागरों का तापमान लगातार कई वर्षों से बढ़ रहा है और इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव ने इसे और बढ़ाया। भारत में कृषि तो पहले ही मानसून का जुआ थी, अब मौसम का जुआ बन गई है। पहला बड़ा कारण कार्बन उत्सर्जन और ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बताया जा रहा था। अब इसमें समुद्री लहरों का बढ़ता हुआ तापमान भी शामिल हो गया है।

अल नीनो से पैदा संकट भी सामने आ गया। यह एक बहुत खर्चीला युद्ध है। तीसरी दुनिया के देशों ने इसके संघर्ष के लिए भारत की ओर देखना ही था, लेकिन अमेरिका और अन्य पश्चिमी समृद्ध देशों ने भी इसकी जिम्मेदारी भारत पर छोड़ने का प्रयास किया।



भारत वैश्विक नेतृत्व संभालने के लिए तैयार है, लेकिन इस संघर्ष के लिए जो लंबी-चौड़ी राशि खर्च होनी है, वह कहां है? ऐन मौके पर समृद्ध देश तो पीछे हट गए कि हमारा तो औद्योगिक क्रांति का युग कब का खत्म हो गया, अब आप लोग औद्योगिक क्रांति की राह पर हैं।

कार्बन से लेकर अतिरिक्त ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन आपके देशों से हो रहा है, इसे शून्य भी आप ही कीजिए। आज नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली ग्रिड, ऊर्जा भंडारण और उभरती स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के जरिये नए प्रदूषण से निपट लिया जाए, जो समुद्र और धरती से पैदा हो रहा है, तो 22.7 लाख करोड़ डॉलर के निवेश के अवसर पैदा हो सकते हैं।

दरअसल, सवाल तेज आर्थिक वृद्धि और कार्बन उत्सर्जन में कमी के बीच संतुलन पैदा करने का है। इसलिए शेष नहीं, बल्कि समस्त राशि की व्यवस्था करने में विदेशी निवेशकों और अंतरराष्ट्रीय वित्त बाजारों को अपनी भूमिका निभाने के लिए आगे आना होगा। इस अभियान को गति देने से लेकर पूरा करने तक में साढ़े छह लाख करोड़ डॉलर की कमी पड़ रही है। इसे अंतरराष्ट्रीय पूंजी से पूरा नहीं करेंगे, तो कैसे होगा?

परंतु धरती का सत्य यह है कि दुनिया के सबसे धनी देश अमेरिका सहित अन्य सभी पश्चिमी समृद्ध ताकतें इस समस्या को अपनी समस्या नहीं मान रही हैं। वे बयानबाजी अवश्य करती हैं, लेकिन धनराशि के योगदान के लिए प्रस्तुत नहीं होतीं। जितने योगदान की बात उन्होंने कही है, वह इसकी जरूरत से कहीं कम है। नतीजा यह निकला है कि शून्य उत्सर्जन वाले निवेश का लक्ष्य प्राप्त करने की वार्षिक तिथि लगातार स्थगित हो रही है और अब 2070 तक आ गई है, जबकि यह काम बहुत पहले सामूहिक रूप से सबके द्वारा शुरू हो जाना चाहिए था। इसलिए गैस उत्सर्जन के एकमात्र गुनहगार ग्लोबल साउथ के देश ही नहीं हैं, वे समृद्ध देश भी तो हैं, जिन्होंने अपनी-अपनी औद्योगिक क्रांति के समय गैस उत्सर्जन से यह संकट पैदा किया।

अब इसके परिणाम हमारे सामने आ रहे हैं। तीसरी दुनिया के देश ही इस लड़ाई को पूरी तरह नहीं लड़ सकते, चाहे औपचारिक रूप से भारत इसका नेतृत्व संभालने के लिए तैयार है। सच यही है कि अपना स्वार्थ छोड़कर अमेरिका और अन्य पश्चिमी समृद्ध देशों को भी इस लड़ाई में पूरी शक्ति के साथ शामिल होना पड़ेगा। याद रखिए, गर डूबेगी कश्ती तो डूबेंगे सारे। इसलिए जरूरत है कि इस समय सभी देश अपनी पूरी आर्थिक सामर्थ्य के अनुसार इस प्रदूषण से पैदा प्राकृतिक विकृति को और न बढ़ने दें। पिछले कुछ वर्षों से स्थगित होती इस लड़ाई को कम से कम अब शुरू कर दिया जाए।

लेखक साहित्यकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

निगम चुनाव को लेकर भाजपा के वार्ड प्रभारी एवं सह प्रभारियों की बैठक संपन्न

दुर्ग। आगामी रिसाली नगर निगम चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव की बैठक के पश्चात दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक की अध्यक्षता में वार्ड प्रभारी एवं सह प्रभारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में चुनाव सह प्रभारी आशु चंद्रवंशी एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में रिसाली नगर निगम चुनाव की तैयारियों, संगठनात्मक मजबूती और वार्डवार चुनावी रणनीति को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मंडल प्रभारी शिवेंद्र परिहार, दिनेश देवांगन, जनपद पंचायत दुर्ग की अध्यक्ष श्रीमती कुलेश्वरी देवांगन, उतई नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती साहू, मंडल भाजपा अध्यक्ष अनुपम साहू एवं राजू जंघेल सहित पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में चुनाव संचालन की रूपरेखा तैयार करने के साथ वार्डवार संगठनात्मक गतिविधियों, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों और चुनावी प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। साथ ही सभी वार्ड प्रभारियों एवं सह प्रभारियों को अपनी-अपनी जिम्मेदारियों के अनुरूप सक्रिय होकर कार्य करने तथा निर्धारित समय सीमा में संगठनात्मक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए।

19 से 21 नवंबर तक होगा 48वाँ भारतीय समाज विज्ञान कांग्रेस का आयोजन

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग के कुलपति प्रो. (डॉ.) संजय तिवारी के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में, भारतीय समाज विज्ञान अकादमी, प्रयागराज के तत्वावधान में 48वें भारतीय समाज विज्ञान कांग्रेस का आयोजन 19 से 21 नवंबर 2026 तक दुर्ग में किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय आयोजन का केंद्रीय विषय भारतीय भाषाओं में विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान है। इस तीन दिवसीय कांग्रेस में देशभर के प्रख्यात शिक्षाविद्, वैज्ञानिक, शोधकर्ता, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी सम्मिलित होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप भारतीय भाषाओं में ज्ञान-विज्ञान, शिक्षा एवं अनुसंधान को प्रोत्साहित करना इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है। कांग्रेस के अंतर्गत 28 विषयगत अनुसंधान समितियों एवं 21 अंतर्विषयी थीमैटिक पैनलों के माध्यम से कृषि, शिक्षा, अर्थशास्त्र, पर्यावरण, विज्ञान, तकनीकी, समाज, संस्कृति एवं जनस्वास्थ्य सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर शोधपरक चर्चा होगी। श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, भिलाई, छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई एवं पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर सहयोगी संस्थानों के रूप में सहभागी हैं। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. (डॉ.) नीलू श्रीवास्तव ने बताया कि यह आयोजन छत्तीसगढ़ के शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं अनुसंधान संबंधी सामर्थ्य को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

आस्था, श्रद्धा और लोकमंगल का महापर्व है छठः देवेंद्र यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। लोक आस्था, सूर्य उपासना और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का महापर्व छठ पूजा के अवसर पर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव शहर के विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचे। उन्होंने सेक्टर-2, छावनी, खुर्सीपार, रामनगर सहित अलग-अलग क्षेत्रों के तालाबों में पहुंचकर छठ महापर्व में शामिल हुए श्रद्धालुओं के बीच समय बिताया और पूजा-अर्चना में सहभागिता की।

इस दौरान विधायक देवेंद्र यादव ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर प्रदेश और शहरवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने छठ व्रत कर रही माताओं-बहनों से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया और सभी को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं। विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि छठ महापर्व हमारी आस्था, विश्वास, त्याग और समर्पण का प्रतीक है। यह ऐसा पावन पर्व है, जो हमें प्रकृति और जीवन के आधार सूर्यदेव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना सिखाता है। छठी मैया की आराधना में व्रतियों की कठिन तपस्या, नियम-निष्ठा और अटूट विश्वास हर किसी को प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि छठ पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, भाईचारे और पारिवारिक संस्कारों को मजबूत करने वाला महापर्व भी है। इस पर्व में जाति, वर्ग और समाज की सीमाएं मिट जाती हैं और पूरा समाज एक साथ मिलकर श्रद्धा और भक्ति के रंग में रंग जाता है। देवेंद्र यादव ने छठी मैया और सूर्यदेव से कामना की कि सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे तथा भिलाई सहित पूरा छत्तीसगढ़ खुशहाल और समृद्ध हो।



सेल अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा ने किया भिलाई इस्पात संयंत्र का दौरा

सुरक्षा एवं 'लाइन ऑफ फायर' पर दिया विशेष बल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा ने 15 नवंबर 2026 को भिलाई इस्पात संयंत्र की प्रमुख उत्पादन इकाइयों का दौरा कर परिचालन गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कार्मिकों से संवाद किया तथा सुरक्षित एवं सुचारू परिचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।



उन्होंने सिंटर प्लांट-3 में विभागीय अधिकारियों के साथ परिचालन प्रक्रियाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने 'लाइन ऑफ फायर' से संबंधित संभावित जोखिमों के प्रति सजगता बनाए रखने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। उन्होंने कार्मिकों को चलती मशीनों, उपकरणों तथा जोखिमपूर्ण गतिविधियों के प्रभाव क्षेत्र से सुरक्षित दूरी बनाए रखने और कार्य के दौरान निर्धारित सुरक्षा सावधानियों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने 'मेरा क्षेत्र, मेरी जिम्मेदारी' के सिद्धांत को कार्यसंस्कृति का अभिन्न अंग बनाने की आवश्यकता भी रेखांकित की। इसके पश्चात उन्होंने सिंटर प्लांट-3 की कन्वेयर प्रणाली का निरीक्षण किया।

अपने दौरे के क्रम में डॉ. पंडा ने स्टील मेल्टिंग शॉप-2 एवं यूनिवर्सल रेल मिल का भी निरीक्षण किया। स्टील मेल्टिंग शॉप-2 में उन्होंने बेहतर हाउसकीपिंग तथा स्लैब एवं ब्लूम भंडारण क्षेत्र में 'मेरा क्षेत्र, मेरी जिम्मेदारी' की भावना के अनुरूप कार्य करने पर विशेष बल दिया।

यूनिवर्सल रेल मिल में कार्मिकों को संबोधित करते हुए डॉ. पंडा ने सुरक्षा एवं उपकरणों के बेहतर रखरखाव को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा कि सुरक्षा प्रत्येक कार्मिक के लिए महत्वपूर्ण है और यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि प्रत्येक व्यक्ति कार्यस्थल से सुरक्षित अपने घर लौटे। उन्होंने टीम भावना के साथ कार्य करने तथा निर्धारित एसओपी का पालन करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने संपूर्ण कार्यप्रक्रिया के दौरान सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सतर्कता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया।

इस अवसर पर संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री चित्तरंजन महापात्र ने कहा कि कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक कार्मिक में सुरक्षा के प्रति जागरूकता एवं संवेदनशीलता विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए असुरक्षित परिस्थितियों की समय रहते पहचान कर उनके निराकरण तथा सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने में प्रौद्योगिकी के समुचित उपयोग की आवश्यकता पर भी बल दिया।

यूनिवर्सल रेल मिल के भ्रमण के दौरान डॉ. पंडा ने एलओटीओ (लॉकआउट-टैगआउट) सुरक्षा प्रणाली के क्रियान्वयन की भी जानकारी ली। इस प्रणाली के तहत अनुरक्षण कार्य प्रारंभ करने से पहले विद्युत एवं यांत्रिक ऊर्जा स्रोतों को सुरक्षित रूप से अलग किया जाता है, ताकि उपकरणों के अनायास चालू होने से होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने प्रस्तावित डिजिटल एलओटीओ प्रणाली के क्रियान्वयन की योजना की भी जानकारी प्राप्त की। इस प्रणाली के माध्यम से कार्यों की निगरानी, अभिलेखों का संधारण एवं उपलब्धता, जियो-फेंसिंग तथा निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं के अनुपालन को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। साथ ही, इससे कार्यों के निष्पादन में जवाबदेही सुनिश्चित करने और कार्यस्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने में सहायता मिलेगी।

भ्रमण के दौरान सेल अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के साथ निदेशक प्रभारी श्री चित्तरंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशकगण एवं संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। भ्रमण के समापन पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

धान खरीदी अभियान का शुभारंभ



श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार प्रदेश सहित जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवम्बर से प्रारंभ हो गई है। आज सेवा सहकारी समिति मर्यादित अण्डा में प्रदेश के राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर के मुख्य आतिथ्य में धान खरीदी का शुभारंभ हुआ।

इस अवसर पर संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया, डीएमओ राहुल कुमार सहित संबंधित विभाग के अधिकारी एवं क्षेत्र के किसान उपस्थित थे। मुख्य अतिथि चन्द्राकर, कमिश्नर राठौर और कलेक्टर सिंह ने इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, नमी मापी यंत्र और भगवान बलराम के छायाचित्र पर माल्यार्पण और पूजा अर्चना कर धान खरीदी का शुभारंभ किया। इस दौरान धान बेचने आये किसानों का पुष्पमाला पहनाकर और गुलाल लगाकर स्वागत किया गया। धान खरीदी का शुभारंभ ग्राम अण्डा के कृषक राजेश चन्द्राकर द्वारा लाये गये धान की खरीदी से हुई। मौके पर बोरे सहित तौल किया गया। इसी के साथ जिले के सभी 123 उपार्जन केन्द्रों में आज से धान खरीदी की शुरूआत हो गई है। पहले दिन उपार्जन केन्द्रों में खरीदी हेतु 92 केन्द्रों में 1938 क्विंटल धान की खरीदी की जाएगी। धान खरीदी का कार्य 15 नवम्बर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक शासकीय अवकाश के दिनों को छोड़कर नियमित होगी। उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी हेतु किसानों के लिए समुचित प्रबंध किये गये हैं। शासन द्वारा धान कामन के लिए 2441 रूपए प्रति क्विंटल और धान ग्रेड-ए के लिए 2461 प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य घोषित की गई है। अण्डा समिति में प्रथम दिवस 25 किसानों से 1230 क्विंटल धान की खरीदी होगी। समिति अंतर्गत 1980 किसान पंजीकृत है।

सेवा, त्याग और भाईचारे का संदेश देता है सिख समाज : अरुण वोरा



श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर दुर्ग में आयोजित भव्य जुलूस में वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं दुर्ग शहर के पूर्व विधायक अरुण वोरा शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने सिख समाज के लोगों एवं श्रद्धालुओं से मुलाकात कर प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

प्रकाश पर्व के अवसर पर निकाले गए जुलूस में सिख समाज के लोगों ने पूरे उत्साह, श्रद्धा और उल्लास के साथ भाग लिया। जुलूस में गुरु साहिबानों के जयकारों और धार्मिक भजनों से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

जगह-जगह लोगों ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया। इस अवसर पर अरुण वोरा ने कहा कि सिख समाज का इतिहास त्याग, तपस्या, बलिदान, सेवा और मानवता की मिसाल रहा है। सिख गुरुओं ने समाज को सत्य, समानता, भाईचारे और निस्वार्थ सेवा का मार्ग दिखाया है। गुरु साहिबानों की शिक्षाएं केवल सिख समाज ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

बाल दिवस 2026 पर डीएलएसए दुर्ग की विशेष पहलः डॉन योजना के तहत विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों एवं सुरक्षित बचपन के प्रति किया जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा बाल दिवस (14 नवंबर) के अवसर पर 14 नवंबर 2026 से 27 नवंबर 2026 तक एक पखवाड़े का विशेष जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है।

यह अभियान मुख्य रूप से 12 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों पर केंद्रित है। अभियान का उद्देश्य बच्चों में उनके अधिकारों, सुरक्षा एवं संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों की समय रहते पहचान करना तथा उन्हें आवश्यक विधिक एवं अन्य उचित सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित करना है। इस अभियान के अंतर्गत जिलेभर के विद्यालयों एवं विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम एवं विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।



इन कार्यक्रमों का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के अध्यक्ष के. विनोद कुजूर के मार्गदर्शन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर के समन्वय से किया जा रहा है।

इसी क्रम में बाल दिवस के अवसर पर विश्वदीप सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय सहित जिले के अन्य विद्यालयों में विशेष विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग के न्यायाधीश प्रशांत पाराशर, द्वितीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग, दीपक कुमार कोशले, पंचम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग तथा श्रीमती श्यामवती मरावी, षष्ठम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग विशेष रूप से उपस्थित रहे। न्यायाधीशगण ने विद्यार्थियों को बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक, जिम्मेदार एवं सतर्क नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की डॉन योजना, 2025 के अंतर्गत 14 नवंबर 2026 से 27 नवंबर 2026 तक संचालित विशेष पखवाड़ा अभियान की जानकारी विद्यार्थियों को दी गई।

ब्रिटेन और ब्रिक्स के बाद अब इटली के उच्चस्तरीय भारतीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल में शामिल होंगे डॉ. जितेंद्र प्रसाद गुप्ता

श्रीकंचनपथ न्यूज



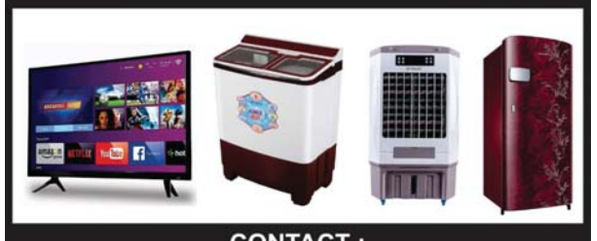
भिलाई। अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक गतिविधियों में छत्तीसगढ़ की सहभागिता को नई पहचान दिलाने की दिशा में उद्योग चेम्बर भिलाई के अध्यक्ष डॉ जेपी गुप्ता एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहे हैं। ब्रिटेन एवं ब्रिक्स बिजनेस फोरम में अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराने के बाद श्री गुप्ता अब 16 से 22 नवंबर 2026 तक प्रस्तावित इटली के व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल में शामिल होंगे। माननीय केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल द्वारा प्रस्तावित इस बिजनेस डेलिगेशन में जेपी गुप्ता छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इस अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल में सहभागिता से छत्तीसगढ़ के उद्योग एवं व्यापार जगत को वैश्विक स्तर पर नई संभावनाओं से जोड़ने, अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने तथा निवेश एवं व्यावसायिक सहयोग के नए अवसर तलाशने का मार्ग प्रशस्त होगा। छ ग चेम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने कहा कि जेपी गुप्ता की इस सहभागिता को छत्तीसगढ़ के उद्योग एवं व्यापार जगत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। इससे प्रदेश के व्यापारियों एवं उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का अवसर मिलेगा।

भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्र ने कहा कि छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नगरी भिलाई के लिए एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरव का अवसर सामने आया है। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के उद्योग चेंबर, भिलाई के अध्यक्ष एवं प्रतिष्ठित उद्योगपति डॉ. जितेंद्र प्रसाद गुप्ता ब्रिटेन और ब्रिक्स बिजनेस फोरम के बाद इटली व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल में भाग लेने जा रहे हैं। इस अवसर को भिलाई-दुर्ग सहित पूरे छत्तीसगढ़ के उद्योग जगत के लिए अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक सहयोग एवं व्यापारिक संभावनाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

डॉ. जितेंद्र प्रसाद गुप्ता ने जून 2026 में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के ब्रिटेन दौरे के अवसर पर आयोजित भारतीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल में सहभागिता की थी। इस दौरान लंदन में अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक संस्थानों, व्यापारिक संगठनों, तकनीकी केंद्रों एवं आधुनिक औद्योगिक व्यवस्थाओं को समझने तथा औद्योगिक सहयोग की संभावनाओं पर संवाद करने का अवसर प्राप्त हुआ। इसके पश्चात सितंबर 2026 में नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित **BRICS Business Forum** 2026 में उन्होंने सहभागिता की। इस मंच पर रूस, ब्राजील, चीन, दक्षिण अफ्रीका एवं इथियोपिया सहित विभिन्न देशों के व्यापारिक प्रतिनिधियों के साथ औद्योगिक सहयोग, तकनीकी आदान-प्रदान, निवेश एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

ज्ञात हो कि इटली विश्व के प्रमुख औद्योगिक एवं तकनीकी रूप से विकसित देशों में शामिल है। विशेष रूप से मशीन निर्माण, इंजीनियरिंग, मेटल प्रोसेसिंग, ऑटोमेशन, आधुनिक उत्पादन तकनीक एवं औद्योगिक नवाचार के क्षेत्र में इटली की महत्वपूर्ण पहचान है। इस यात्रा के माध्यम से छत्तीसगढ़ के उद्योगों, विशेषकर भिलाई-दुर्ग के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, इंजीनियरिंग इकाइयों, सहायक उद्योगों तथा विनिर्माण क्षेत्र के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक संपर्क विकसित करने की संभावनाएं तलाशी जाएंगी। इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय संवाद से भविष्य में आधुनिक तकनीक का हस्तांतरण, संयुक्त औद्योगिक परियोजनाएं, विदेशी निवेश, निर्यात विस्तार, कौशल विकास एवं रोजगार सृजन के नए अवसर विकसित हो सकते हैं। भिलाई देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों में से एक है। यहां इस्पात उद्योग के साथ-साथ इंजीनियरिंग, फैब्रिकेशन, मशीन निर्माण, कास्टिंग, औद्योगिक उपकरण एवं अनेक सहायक उद्योगों का मजबूत आधार मौजूद है। डॉ. जितेंद्र प्रसाद गुप्ता ने कहा कि ब्रिटेन और ब्रिक्स जैसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहभागिता के बाद अब इटली के उच्चस्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने का अवसर मिलना मेरे लिए गर्व और सम्मान का विषय है।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर



मुख्यमंत्री ने दिया सूर्य को अर्घ्य, दराखारिका में 4 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा छठ घाट

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जिले के तपकरा में छठ महापर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने अस्ताचलगामी भगवान सूर्यदेव को संध्या अर्घ्य अर्पित कर छठी मैया से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और कल्याण की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने सभी को छठ महापर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। श्री साय ने तपकरा में छठ घाट निर्माण की घोषणा की। कुनकुरी में 5 करोड़ रुपए की लागत से छठ घाट का सौंदर्यीकरण किया गया है, वहीं दराखारिका में 4 करोड़ रुपए की लागत से नए छठ घाट का निर्माण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस भी पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने प्रदेशवासियों को जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर श्रीमती कौशल्या साय, जनपद अध्यक्ष श्रीमती हेमन्ती साय, भरत साय सहित जनप्रतिनिधि, छठ व्रती महिलाएं एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

बीजापुर से तीर्थयात्रियों का जत्था अयोध्या रवाना

बीजापुर। श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत बीजापुर जिले के श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या के लिए रवाना हुआ। जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राज्य सरकार की यह योजना आमजन को धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर उपलब्ध कराने और समाज में आस्था एवं सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। यात्रियों ने सरकार और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

टीसीबीटी पद्धति से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा, देशी धान 'बौना सफरी' की उपज का आकलन

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। कम लागत में खेती और भूमि की उर्वरता बनाए रखने के उद्देश्य से पाली विकासखंड के ग्राम सेन्द्रीपाली में टीसीबीटी पद्धति से की जा रही प्राकृतिक खेती का अवलोकन एवं किसान संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रगतिशील कृषक श्री उमाशंकर कोर्राम के खेत में देशी धान 'बौना सफरी' की फसल कटाई कर उपज का आकलन किया गया। निर्धारित क्षेत्र में प्राप्त उपज के आधार पर प्रति एकड़ लगभग 22 क्विंटल उत्पादन का अनुमान सामने आया।

कार्यक्रम में टीसीबीटी पद्धति के संस्थापक श्री ताराचंद बेलजी ने श्री कोर्राम के खेतों का निरीक्षण किया। यहां बिना रासायनिक आदानों के उगाई जा रही देशी धान, अरहर, अदरक और हल्दी की फसलें देखीं। उन्होंने किसानों से खेती की लागत कम करने, भूमि की उर्वरता बनाए रखने और कृषि आय बढ़ाने के लिए प्राकृतिक खेती की पद्धतियों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने किसानों को शुरुआत में कम से कम 20 डिसमिल भूमि पर टीसीबीटी पद्धति का प्रयोग कर परिणामों का स्वयं आकलन करने की सलाह दी।



धान की उपज का आकलन करने के लिए खेत में 5 मीटर म 5 मीटर यानी 25 वर्गमीटर क्षेत्र की फसल काटी गई। इस क्षेत्र से 13.99 किलोग्राम सूखा धान प्राप्त हुआ। इस माप के आधार पर प्रति एकड़ लगभग 22 क्विंटल उत्पादन का अनुमान लगाया गया। यह आकलन किसानों को प्राकृतिक खेती की संभावनाओं और स्थानीय परिस्थितियों में इसके परिणामों को समझने का अवसर देता है। उप संचालक कृषि ने टीसीबीटी पद्धति में ऊर्जा जल, अणु जल, जैव रसायन और पतवार रसायन के उपयोग एवं किसानों के अनुभवों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि वैकल्पिक और प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

33 जिलों के 1606 केंद्रों में शुरु हुई धान खरीदी

पहले दिन 1.98 लाख क्विंटल खरीदी, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने धरमजयगढ़ में किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ हो गई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने धरमजयगढ़ में खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल की उपस्थिति में धान खरीदी का शुभारंभ किया। इस वर्ष प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान की खरीदी 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि प्रति एकड़ निर्धारित मात्रा से कम मात्रा में धान बेचने वाले किसानों को भी कृषक उन्नति योजना के तहत प्रति एकड़ 13,839 रुपये की पूरी आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी।



मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यदि कोई पात्र किसान प्रति एकड़ 15 क्विंटल धान बेचता है, तो शेष 6 क्विंटल के बराबर की आदान सहायता राशि भी उसे प्रदान की जाएगी। इस प्रकार किसानों को प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपये की पूरी निर्धारित सहायता मिलेगी।

इस खरीफ विपणन वर्ष में प्रदेश के लगभग 27 लाख 50 हजार किसानों से धान खरीदी के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। 33 जिलों में 3,095 धान उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। इनमें से 2,805 केंद्रों में टोकन जारी किए जा चुके हैं, जबकि 1,606 केंद्रों में धान खरीदी प्रारंभ हो गई है। अब तक 1,98,364.80 क्विंटल धान का उपार्जन किया जा चुका है। इसमें 1,10,979.20 क्विंटल मोटा धान, 80,489.60 क्विंटल पतला धान तथा 6,896 क्विंटल सरना धान शामिल है।

बालोद और राजनांदगांव सबसे आगे

बालोद जिले के सभी 161 केंद्रों में टोकन जारी किए जा चुके हैं तथा 123 केंद्रों में अब तक 24,676 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है। राजनांदगांव जिले के सभी 122 उपार्जन केंद्रों में टोकन जारी किए गए हैं तथा 115 केंद्रों में 26,464.40 क्विंटल धान का उपार्जन किया गया है। महासमुंद जिले के 176 केंद्रों में 20,444.80 क्विंटल धान खरीदा गया है। धमतरी जिले के 99 केंद्रों में 19,829.20 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है।

इसी प्रकार बेमेतरा जिले के सभी 157 उपार्जन केंद्रों में टोकन जारी हुए तथा 118 केंद्रों में 16,320.40 क्विंटल धान का उपार्जन किया गया है। दुर्ग जिले के सभी 123 केंद्रों में टोकन जारी हुए तथा 83 केंद्रों में 13,952.80 क्विंटल धान खरीदा गया है। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के सभी 72 केंद्रों में टोकन जारी हुए तथा 71 केंद्रों में 11,871.60 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है। बलौदाबाजार- भाटापारा के 116 केंद्रों में 10,004.40 क्विंटल धान खरीदा गया है। रायपुर जिले के 129 केंद्रों में 9,365.60 क्विंटल धान का उपार्जन दर्ज किया गया है।

कवर्धा जिले के 80 केंद्रों में 7,386 क्विंटल धान खरीदा गया है। गरियाबंद जिले के 92 केंद्रों में 6,743.60 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है। बलरामपुर जिले के 34 केंद्रों में अब तक 5,614 क्विंटल धान खरीदा गया है।

बस्तर से सरगुजा तक खरीदी जारी

बस्तर संभाग के कांकेर में 54 केंद्रों पर 3,220.40 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है। कोंडागांव जिले के 26 केंद्रों में 3,888.40 क्विंटल धान खरीदा गया है। बस्तर जिले के 9 केंद्रों में 474 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है। नारायणपुर जिले के 13 केंद्रों में 294.80 क्विंटल, बीजापुर जिले के 5 केंद्रों में 95.20 क्विंटल, दंतेवाड़ा जिले के 13 केंद्रों में 22 क्विंटल धान खरीदा गया है। सुकमा जिले में खरीदी प्रारंभ होना शेष है।

बिलासपुर जिले के 89 केंद्रों में 3,603.60 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के 15 केंद्रों में 2,155.20 क्विंटल, मुंगेली जिले के 30 केंद्रों में 1,956.40 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है। कोरबा जिले के 11 केंद्रों में 438 क्विंटल धान खरीदा गया है। जांजगीर-चांपा जिले में खरीदी प्रारंभ होना शेष है।

रायगढ़ जिले के 2 केंद्रों में अब तक 310.40 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है। सक्ती जिले के 2 केंद्रों में 26 क्विंटल धान खरीदा गया है। सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिले के 20 केंद्रों में 1,075.60 क्विंटल, कोरिया जिले के 17 केंद्रों में 1,984 क्विंटल धान खरीदा गया है। सरगुजा जिले के 6 केंद्रों में 489.20 क्विंटल, सूरजपुर जिले के 18 केंद्रों में 2,006 क्विंटल, जशपुर जिले के 2 केंद्रों में 95.60 क्विंटल, बलरामपुर जिले के 34 केंद्रों में 5,614 क्विंटल धान खरीदा गया है। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के 2 केंद्रों में 395.60 क्विंटल धान का उपार्जन दर्ज किया गया है। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के 36 केंद्रों में अब तक 3,161.60 क्विंटल धान खरीदा गया है। इस प्रकार प्रदेश के सभी 33 जिलों में धान खरीदी की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है और उपार्जन केंद्रों के माध्यम से किसानों को अपनी उपज बेचने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

मोटा, पतला और सरना का भी उपार्जन

अब तक खरीदे गए 1,98,364.80 क्विंटल धान में 1,10,979.20 क्विंटल मोटा, 80,489.60 क्विंटल पतला और 6,896 क्विंटल सरना धान शामिल है।

नर्सिंग केवल रोजगार का साधन नहीं बल्कि मानवता की सेवा और पुण्य का भी कार्य : साय

- मुख्यमंत्री ने जशपुर के आरा में नर्सिंग कौशल कॉलेज का किया शुभारंभ
- स्वस्थ और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में प्रशिक्षित नर्सों की भूमिका महत्वपूर्ण
- जनजातीय बेटियों को मिलेगा कौशल विकास और आत्मनिर्भरता का नया अवसर
- 120 छात्राओं को दिया जाएगा दो वर्षीय एएनएम नर्सिंग प्रशिक्षण
- आधुनिक प्रयोगशालाओं और छात्रावास की सुविधाओं से सुसज्जित संस्थान में मिलेगा गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले की ग्राम पंचायत आरा में नर्सिंग कौशल कॉलेज का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश की बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। आरा में स्थापित यह संस्थान विशेष रूप से जनजातीय एवं सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों की बेटियों के लिए आत्मनिर्भरता और उज्ज्वल भविष्य की नई राह खोलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नर्सिंग केवल नौकरी या रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि मानवता की सेवा और पुण्य का कार्य है। मरीजों की देखभाल, उनके उपचार और जीवन की रक्षा में डॉक्टरों के साथ नर्सिंग कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं से पूरी लगन, अनुशासन, संवेदनशीलता और सेवाभाव के साथ अध्ययन करने का आह्वान किया।

छत्तीसगढ़ शासन और पैन आईआईटी एलुमनी रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त उद्यम प्रचेत फाउंडेशन के माध्यम से स्थापित इस संस्थान में दो वर्षीय एएनएम नर्सिंग पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। कॉलेज की सभी 120 सीटों पर छात्राओं का प्रवेश पूर्ण हो चुका है। विशेष बात यह है कि यहां अध्ययनरत लगभग 90 प्रतिशत छात्राएं



जनजातीय एवं सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों से हैं। आधुनिक प्रयोगशालाओं, छात्रावास और अन्य आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित इस संस्थान में छात्राओं को सैद्धांतिक शिक्षा के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद छात्राओं को प्रतिष्ठित अस्पतालों एवं स्वास्थ्य संस्थानों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पूरे देश में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, बलिदान और जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास को राष्ट्रीय सम्मान दिलाने के उद्देश्य से उनकी जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की पहल की है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों को जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं देते हुए छठ महापर्व की भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि सूर्यदेव और छठी मैया की उपासना का यह महान पर्व आस्था, श्रद्धा, तपस्या और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। ऐसे पावन अवसर पर नर्सिंग कौशल कॉलेज का शुभारंभ होना अत्यंत सुखद और सौभाग्य का विषय है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस महत्वपूर्ण संस्थान की स्थापना और संचालन में योगदान देने वाले पैन आईआईटी एलुमनी के चेयरमैन एवं सभी पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रथम बैच की सभी 120 छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह संस्थान उनके सपनों को साकार करने और जीवन में आगे बढ़ने का सशक्त माध्यम बनेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वास्थ्य ही मनुष्य की सबसे बड़ी संपत्ति है। स्वस्थ नागरिक ही स्वस्थ समाज और समृद्ध प्रदेश का आधार होते हैं। छत्तीसगढ़ को विकसित और समृद्ध राज्य बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना आवश्यक है। राज्य सरकार इसी संकल्प के साथ स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

15 से अधिक मेडिकल कालेज

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के समय प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज था। पिछले 25 वर्षों में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 15 से अधिक हो गई है। इस वर्ष एक साथ पांच नए मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किए जा रहे हैं। इससे प्रदेश के युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के अधिक अवसर मिलेंगे और स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी।

विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने मिशन मोड में कार्य

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ को वर्ष 2047 तक विकसित राज्य बनाने के लिए सरकार ने विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, अधोसंरचना और रोजगार सहित सभी क्षेत्रों में मिशन मोड में कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध प्रदेश है। यहां की खनिज संपदा, विशाल वन क्षेत्र, बहुमूल्य वनोपज, उपजाऊ भूमि और मेहनतकश जनता हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। धान के कटोरे के रूप में प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ में विकास की अपार संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं का पूरा लाभ प्रदेशवासियों तक पहुंचाने के लिए सरकार योजनाबद्ध ढंग से कार्य कर रही है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेशवासियों के सहयोग और आशीर्वाद से विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प अवश्य साकार होगा तथा विकसित भारत के निर्माण में छत्तीसगढ़ महत्वपूर्ण योगदान देगा।

मोदी की गारंटी को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है राज्य सरकार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार मोदी की गारंटी के अंतर्गत किए गए सभी वादों को पूरा करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं और समाज के सभी वर्गों के कल्याण को प्राथमिकता देते हुए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 1600 प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण किया जा रहा है। इससे गरीब और जरूरतमंद परिवारों का पक्के आवास का सपना साकार हो रहा है। किसानों की सुविधा के लिए इस वर्ष 360 नए धान खरीदी केंद्र प्रारंभ किए गए हैं। अब प्रदेश में लगभग 3100 धान खरीदी केंद्रों के माध्यम से किसानों से धान का उपार्जन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र के साथ आगे बढ़ रही है। सरकार का लक्ष्य विकास की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और प्रत्येक परिवार को सम्मानजनक एवं आत्मनिर्भर जीवन के अवसर उपलब्ध कराना है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने नर्सिंग कौशल कॉलेज के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त की और प्रशिक्षण प्राप्त कर रही सभी छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। आरा में स्थापित नर्सिंग कौशल कॉलेज इसी उद्देश्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यहां छात्राओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

छठ पर्व पर वित्त मंत्री ने कयाघाट में सूर्यदेव को अर्पित किया अर्घ्य

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी लोक आस्था, श्रद्धा और पवित्रता के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर रायगढ़ के जूटमिल स्थित कयाघाट पहुंचे। यहां उन्होंने छठ महापर्व के तीसरे दिन आयोजित संध्या अर्घ्य में सम्मिलित होकर व्रती माताओं-बहनों एवं क्षेत्रवासियों को छठ पूजा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छठी मइया एवं भगवान सूर्यदेव से सभी के जीवन में सुख, शांति, आरोग्य, समृद्धि और खुशहाली की मंगलकामना की।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि छठ महापर्व हमारी समृद्ध लोक परंपरा, अटूट आस्था और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। सूर्य उपासना का यह पावन पर्व हमें संयम, अनुशासन, पवित्रता और समर्पण की प्रेरणा देता है। अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने की यह अनूठी परंपरा प्रकृति और मानव जीवन के गहरे संबंध को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि छठ महापर्व में



व्रती माताएं एवं बहनें अपने परिवार की सुख-समृद्धि, संतान के कल्याण और उत्तम स्वास्थ्य की कामना के साथ श्रद्धापूर्वक व्रत रखती हैं। यह पर्व पारिवारिक स्नेह, सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे की भावना को और मजबूत करता है। छठ पूजा हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने के साथ ही प्रकृति के संरक्षण और स्वच्छता का संदेश भी देती है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ में छठ महापर्व के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं की सुंदर अभिव्यक्ति है। छठ घाटों पर श्रद्धालुओं का एकत्रित होना और सामूहिक रूप से भगवान सूर्यदेव की आराधना करना सामाजिक एकता एवं सद्भाव का अनुपम उदाहरण है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने सभी व्रती माताओं-बहनों एवं क्षेत्रवासियों के प्रति शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए प्रार्थना की कि छठी मइया का आशीर्वाद सभी के परिवारों पर सदैव बना रहे। भगवान सूर्यदेव की कृपा से सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हों और प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति, आरोग्य एवं समृद्धि का संचार हो।

युवाओं को मिलेगा निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण

मोहला। छत्तीसगढ़ शासन के कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत जिला कौशल विकास प्राधिकरण मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी द्वारा जिले के हितग्राहियों को निःशुल्क आवासीय एवं गैर-आवासीय कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से कौशल पखवाड़ा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर के माध्यम से जिले के युवाओं एवं इच्छुक हितग्राहियों को विभिन्न रोजगारपरक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। शिविर का आयोजन 16 नवंबर से 20 नवंबर 2026 तक जिले के अलग-अलग ग्रामों में किया जाएगा। 16 नवंबर को भड़सेना, 17 नवंबर को बिहरीकला, 18 नवंबर को पीपरखार, 19 नवंबर को करमतरा तथा 20 नवंबर को आटरा में शिविर आयोजित किया जाएगा।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)



मुझे 16 साल की उम्र में ही पता चल गया था कि अभिनेत्री बनूंगी : दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपने एक्टिंग करियर के बारे में बताया कि उन्हें 16 साल की उम्र में पता चल गया था कि वह अभिनेत्री बनना चाहती थीं। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण इस समय बॉलीवुड की सबसे भरोसेमंद अभिनेत्रियों में से एक हैं। जब उन्होंने ट्रिपल एक्स द रिटर्न ऑफ जेंडर केज के साथ हॉलीवुड में कदम रखा, तो दीपिका द एलेन डीजेनेरेस शो में भी नजर आईं। एलेन से बात करते हुए बाजीराव मस्तानी फिल्म की अभिनेत्री ने अपने पिता प्रकाश पादुकोण के बैडमिंटन करियर के बारे में खुलकर बात की।

दीपिका ने बताया कि उन्होंने भारत में ऐसे समय में बैडमिंटन खेला, जब कोई भी प्रोफेशनल तौर पर बैडमिंटन नहीं खेलता था। उस समय हर कोई डॉक्टर या वकील बनना चाहता था, लेकिन वे एक खिलाड़ी थे।

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी अपने पिता के नक्शेकदम पर चलने की इच्छा जताई थी, तो अभिनेत्री ने जवाब दिया कि मैं ऐसा करके उन्हें खुश कर सकती थी, लेकिन वे हमेशा यही कहते थे कि अपने दिल की सुनो।

अभिनय के प्रति अपना प्यार जताते हुए दीपिका ने बताया कि 16 साल की उम्र में ही उन्हें पता चल गया था कि वह एक अभिनेत्री बनना चाहती हैं।

उन्होंने आगे कहा कि कैमरे के सामने रहना उन्हें बेहद खुशी देता है।

दीपिका ने एलेन को यह भी बताया कि एक बार उन्होंने अपना पोर्टफोलियो शूट करने के लिए अपनी मां से 10,000 रुपए उधार लिए थे। पैसे मांगते समय अभिनेत्री ने अपनी मां को भरोसा दिलाया कि वह उनके पैसे लौटा देंगी और उन्हें गौरवान्वित भी करेंगी।

दीपिका ने बताया कि एक दिन मैंने अपनी मां को बिठाया और कहा कि क्या मैं आपसे 10,000 रुपए उधार ले सकती हूं? मुझे पोर्टफोलियो शूट करने के लिए पैसों की जरूरत थी। मैंने उनसे कहा कि एक दिन मैं उन्हें गौरवान्वित करूंगी और कभी न कभी उनके पैसे भी लौटा दूंगी।

साल 2007 में शाहरुख खान के साथ ओम शांति ओम से अपने करियर की शुरुआत करने के बाद, दीपिका कई प्रमुख फिल्मों का हिस्सा बनीं, जिनमें ये जवानी है दीवानी (2013), चेन्नई एक्सप्रेस (2013), गोलियों की रासलीला राम-लीला (2013), पीकू (2015), बाजीराव मस्तानी (2015), पद्मावत (2018), छपाक (2020), पठान (2023), जवान (2023) और कल्कि 2898 एडी (2024) शामिल हैं।

दीपिका बहुप्रतीक्षित फिल्म किंग में शाहरुख खान के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी।

ओ एम के ट्रेलर में धनुष का फुल ऑन मास अवतार, ममूटी का दमदार दबदबा और साई पल्लवी का खूंखार अंदाज़!

राजकुमार पेरियासामी के निर्देशन में बनी फिल्म ओ एम चैप्टर 1 – उधिरम द ब्लड वुड में श्रीलीला भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का संगीत साई अभ्यंकर ने दिया है। यह फिल्म 20 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ओ एम- चैप्टर 1- उधिरम द ब्लड वुड का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जो दर्शकों को राजकुमार पेरियासामी की इस एक्शन ड्रामा की दुनिया की पहली झलक दिखाता है। शानदार दृश्य, बड़े पैमाने पर फिल्माए गए एक्शन दृश्य और जबरदस्त टकराव की झलकियां इस बात का इशारा कर रही हैं कि फिल्म बड़े पर्दे पर एक शानदार सिनेमाई अनुभव देने वाली है। ट्रेलर में धनुष अपने चिर-परिचित अंदाज़ में फुल ऑन मास अवतार में नजर आ रहे हैं, तो वहीं ममूटी अपनी खामोश लेकिन दमदार मौजूदगी से पर्दे पर पूरा दबदबा कायम करते हैं। साई पल्लवी आईपीएस अधिकारी



नित्या रेड्डी के किरदार में अपने तीखे और बेखौफ अंदाज़ की झलक दिखाती हैं, जबकि श्रीलीला ट्रेलर में थोड़ी हल्की-फुल्की ऊर्जा और ताजगी लेकर आती हैं।

साई अभ्यंकर का दमदार संगीत ट्रेलर की जान बना हुआ है, जो एक तरफ रोमांच और तनाव को बढ़ाता है, तो दूसरी तरफ जबरदस्त एक्शन दृश्यों को और भी प्रभावशाली बनाता है। ट्रेलर से पहले फिल्म के संगीत संग्रह के तीन गाने 'अलाका लूवा', 'वीझा वीरा' और 'सेन्जुदारे' रिलीज किए जा चुके हैं, जिन्हें दर्शकों का अच्छा प्रतिसाद मिला है।

ट्रेलर को लेकर आरटेक स्टूडियोज की निर्माता श्रद्धा अग्रवाल कहती हैं, ट्रेलर के जरिए अब दर्शकों को आखिरकार उस दुनिया की झलक मिलेगी, जिसे राजकुमार सर ने रचा है और यह भी समझ आएगा कि बड़े पर्दे पर ओ एम का अनुभव कैसा होने वाला है।राजकुमार पेरियासामी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में धनुष, ममूटी, साई पल्लवी, श्रीलीला, नसीरुद्दीन शाह और इंद्रांस अहम भूमिकाओं में हैं। 20 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

छठ पूजा: भक्ति के रंग में रंगे भोजपुरी सितारे

इन दिनों छठ पूजा का उल्लास देखा जा रहा है। यह चार दिवसीय पर्व मूल रूप से बिहार, झारखंड और पूर्वांचल में मनाया जाता है। 13 नवंबर को नहाय-खाय के साथ इसकी शुरुआत हुई। इस मौके पर भोजपुरी सितारे भी इस त्योहार के रंग में रंगे हैं। अक्षरा सिंह और काजल राघवानी ने अपने हाथों से प्रसाद तैयार किया है।



मिट्टी के चूल्हे पर काजल ने बनाया प्रसाद

काजल राघवानी ने रविवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें वे मिट्टी के चूल्हे पर प्रसाद तैयार करती नजर आ रही हैं। हरे रंग की साड़ी पहनकर और सिर पर पल्लू रखकर काजल ठेकुआ प्रसाद पारंपरिक तरीके से बना रही हैं।

अक्षरा सिंह ने खुद तैयार किया खरना का प्रसाद

भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन अक्षरा सिंह छठ पर्व मनाती हैं और वे व्रत रखती हैं। इस बार भी उन्होंने व्रत किया है। इस मौके पर अक्षरा ने बीते दिन खरना का प्रसाद खुद अपने हाथों से तैयार किया।

अक्षरा बोलीं- प्रसाद बनाने का सुख शब्दों में नहीं बताया जा सकता

अक्षरा सिंह ने सोशल मीडिया पर प्रसाद बनाते हुए कुछ झलकियां शेयर की हैं। इसके साथ लिखा है, 'चूल्हे की आंच, गुड़ की मिठास और मन में छठी मइया का नाम..., खरना का प्रसाद अपने हाथों से बनाने का सुख शब्दों में नहीं बताया जा सकता। जय छठी मइया'।

खेसारी छठी मैया की भक्ति में डूबे

भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव भी अपने परिवार के साथ छठ पर्व मना रहे हैं। तस्वीरों में उन्हें अपनी पत्नी चंदा यादव, बेटे और मां के साथ देखा जा सकता है।

चित्रांगदा सिंह ने की सलमान खान की जमकर तारीफ बोलीं-वो सबको बेस्ट दिखाते हैं

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह आगामी वॉर-ड्रामा फिल्म मातृभूमि मे वॉर रेस्ट इन पीस में अभिनेता सलमान के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को याद करते हुए बताया कि अभिनेता की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और आत्मविश्वास ने शुरुआत में उन्हें थोड़ा नर्वस कर दिया था। अभिनेत्री ने बातचीत में सलमान खान की जमकर तारीफ की।

चित्रांगदा का कहना है कि सलमान खान में दूसरों से बेस्ट निकलवाने की काबिलियत है और इसी वजह से उनके साथ स्क्रीन शेयर करना मजेदार हो गया। उन्होंने कहा, सलमान खान के साथ काम करना वाकई शानदार और यादगार अनुभव रहा। उनकी प्रेजेंस बेहद दमदार है। कैमरे के सामने उनमें ऐसी सहजता और आत्मविश्वास रहता है कि शुरुआत में, तो मैं भी थोड़ा नर्वस हो गई थी, लेकिन उनके काम करने के तरीके में एक शानदार सहजता भी है, जो उनके साथ फ्रेम शेयर करना इतना मजेदार बना देती है और हर सीन में एक नेचुरल एनर्जी ले आती है।

चित्रांगदा सिंह ने मातृभूमि के गानों में सलमान के साथ अपनी केमिस्ट्री को मिल रहे रिस्पॉन्स को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, जब से मातृभूमि के गाने आए हैं, तब से हमारी केमिस्ट्री को बहुत प्यार मिल रहा है और मैं इस रिस्पॉन्स को देखकर वाकई बेहद खुश हूं। जब दो एक्टर स्क्रीन पर एक खास कम्फर्ट और समझ शेयर करते हैं, तो दर्शक उसे महसूस कर पाते हैं और मुझे खुशी है कि हमारी जोड़ी दर्शकों को पसंद आ रही है। मैं वाकई चाहती हूं कि दर्शक फिल्म में हमारी जोड़ी को देखें।

अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित फिल्म में सलमान खान और चित्रांगदा सिंह (चित्रांगदा इसमें सलमान की पत्नी का किरदार निभा रही हैं) मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म का पुराना नाम बैटल ऑफ गलवान था, जो भारत-चीन संघर्ष की पृष्ठभूमि पर आधारित थी। सलमान प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले फिल्म की कहानी एक भारतीय सैनिक (सलमान खान) के जीवन, युद्ध के खौफनाक मंजर, परिवार के दर्द और शांति के संदेश के इर्द-गिर्द घूमती है।



सेहत बनाने का सबसे सस्ता तरीका हैं रस्सी कूदना

आज की बदलती जीवन-शैली और व्यस्त जिंदगी में खुद के लिए समय निकाल पाना बहुत मुश्किल होता है। लेकिन सेहत बनाए रखने के लिए समय निकालते हुए दिनचर्या में व्यायाम को जरूर शामिल करना चाहिए। ऐसे में आप रस्सी कूदना अर्थात स्किपिंग को ट्राई कर सकते हैं जो कि सेहत बनाने का सबसे सस्ता तरीका हैं। फिटनेस लेवल को बढ़ाने के साथ ही कुछ लोग इसे वजन घटाने के लिए चुनते हैं। आपको अपने फिटनेस रूटीन में स्किपिंग को जरूर शामिल करना चाहिए। यह सिंपल, आसान और बहुत मज़ेदार वर्कआउट है साथ ही यह आपको बहुत सारी कैलोरी बर्न करने में मदद करता है। आज इस कड़ी में हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह रस्सी कूदने से शरीर की सेहत बनाई जा सकती हैं।

थकान से छुटकारा मिलता है

लगातार काम करने से आप थका हुआ महसूस कर सकते हैं। स्किपिंग आपको अपनी सहनशक्ति में सुधार करने में मदद कर सकता है। जितना अधिक आप नियमित रूप से स्किपिंग करते हैं, उतना ही आपकी सहनशक्ति बढ़ती है। लगातार स्किपिंग रेंज का अभ्यास थकान से छुटकारा पाने में मदद कर सकता है।

हृदय स्वास्थ्य में सुधार

रस्सी कूदने से हृदय को स्वस्थ रखा जा सकता है। दरअसल, रस्सी कूदने से हृदय की क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। रस्सी कूदने से कार्डियो सर्कुलेशन यानी ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, जो ब्लड को पंप करने के लिए जरूरी होता है। हृदय के स्वस्थ रहने से हार्ट स्ट्रोक और हृदय से जुड़े अन्य जोखिम से बचा जा सकता है। यही वजह है कि रस्सी कूदना को कार्डियो एक्सरसाइज की लिस्ट में जगह दी गई है।



एकाग्रता को बढ़ाता है

हर कार्डियो एक्सरसाइज आपको अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करेगी और स्किपिंग उनमें से एक है। रस्सी कूदना आपके शरीर को शांत कर सकता है और आपकी एकाग्रता को बढ़ा सकता है। इसके अलावा, स्किपिंग लगातार आपके समन्वय और सहनशक्ति में सुधार करता है।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

रस्सी कूदना दिमाग में रक्त संचार को बढ़ाता है जिससे चिंता और तनाव जैसी मानसिक समस्याओं में मदद कर मिल सकती है। यह कॉगनिटिव फंक्शन्स को भी बेहतर करने में मदद करता है।

पेट की चर्बी होती है कम

इसे करने से पेट की चर्बी तेजी से कम होती है। जी हां, वजन कम करते समय यह मुख्य बाधाओं में से एक है। लेकिन रस्सी कूदना इसमें आपकी मदद कर सकता है। हाई-इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग एक्सरसाइज बिना डाइट के पेट की चर्बी कम करने और आपके पेट की मसल्स को मजबूत करने में मदद करती है।

कैलोरी बर्न करने में मददगार

अगर कोई मोटापा कम करना चाहता है, तो उनके लिए रस्सी कूदना लाभकारी हो सकता है। रोप स्किपिंग से शरीर में मौजूद अतिरिक्त कैलोरी को बर्न करने में मदद मिल सकती है। इसलिए, ऐसा कहा जा सकता है कि रस्सी कूदने के फायदे कैलोरी बर्न करने के लिए हो सकते हैं।

बढ़ता है शरीर का लचीलापन

रस्सी कूदने से आपका शरीर शांत और लचीला बनता है। कूदने से मांसपेशियों को बहुत ताकत मिलती है और उन्हें आराम मिलता है। इसलिए इसे एक एथलीट के वर्कआउट रिजीम में शामिल किया जाता है।

हड्डियों को मजबूत करता है

एक आयु के बाद बोन मास कम हो जाता है, और मेनोपॉज के बाद महिलाओं में बोन लॉस अधिक तेजी से होता है। इसलिए रस्सी कूदना फायदेमंद हो सकता है। इससे हड्डियों की ताकत बढ़ती है। रस्सी कूदने से हड्डियों के जोड़ एक्शन में होते हैं जिससे इनमें पर्याप्त लुब्रिकेशन होता है। इससे ये काम करते रहते हैं और एक जगह जमते नहीं।

जयदीप अहलावत, अभिषेक बनर्जी और बरुण सोबती की तिकड़ी मचाएगी धमाल, सुदीप शर्मा की 'पुष्पक विमान' का हुआ ऐलान



अभिनेता अभिषेक बनर्जी, जयदीप अहलावत और बरुण सोबती जल्द ही अपनी नई सीरीज 'पुष्पक विमान' में एक साथ नजर आएंगे। सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी द्वारा बनाई और लिखी गई यह सीरीज क्राइम और कॉमेडी का मजेदार मेल लेकर आ रही है। तीनों कलाकारों को एक साथ देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होने वाला है। सुदीप शर्मा अब तक अपनी गंभीर और इंटेंस कहानियों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस बार वह 'पुष्पक विमान' के जरिए कॉमेडी के जॉनर में कुछ नया करने जा रहे हैं। यह सीरीज कुछ अनोखे किरदारों की कहानी है, जिनकी जिंदगी में होने वाली घटनाएं धीरे-धीरे एक अलग ही मोड़ ले लेती हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए सुदीप शर्मा ने बताया कि वह इस बार कुछ अलग करना चाहते थे। उनके मुताबिक, इस तरह की कहानी और नए जॉनर के साथ प्रयोग करने के लिए नेटफ्लिक्स एक अच्छा प्लेटफॉर्म है। नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज हेड तान्या बामी ने भी इस सीरीज को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि 'पुष्पक विमान' सुदीप शर्मा के साथ नेटफ्लिक्स की अगली फ्रेंचाइजी होगी। उन्होंने सुदीप की कहानी कहने के अंदाज की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी कहानियों में मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक मुद्दों की झलक भी देखने को मिलती है। उन्होंने भरोसा जताया कि यह सीरीज दर्शकों को खूब पसंद आएगी।

फिल्म स्क्वाड प्रोडक्शंस एलएलपी के बैनर तले बनी यह सीरीज नेटफ्लिक्स के साथ अभिषेक बनर्जी का तीसरा प्रोजेक्ट है। इससे पहले वह 'लस्ट स्टोरीज 3' और 'अनकही कहानियां' का हिस्सा रह चुके हैं। अभिषेक बनर्जी, जयदीप अहलावत और बरुण सोबती की यह तिकड़ी 'पुष्पक विमान' के जरिए दर्शकों के लिए क्राइम और कॉमेडी का एक नया अनुभव लेकर आने वाली है।

स्वनिधि महोत्सव बना जीरो वेस्ट आयोजन की मिसाल

बांस की प्लेटों और लकड़ी के चम्मचों से परोसा भोजन, पानी के लिए भी प्लास्टिक मुक्त व्यवस्था

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और राज्य शहरी विकास अभिकरण द्वारा राजधानी रायपुर में आयोजित पीएम स्वनिधि महोत्सव ने बड़े सार्वजनिक आयोजनों में प्लास्टिक के इस्तेमाल की अनिवार्यता को चुनौती देते हुए पर्यावरण संरक्षण की नई मिसाल पेश की।

करीब 2500 लोगों के खानपान, बीसियों फूड स्टॉलों, पेयजल और सजावट की व्यापक व्यवस्थाओं के बावजूद पूरे आयोजन में कहीं भी सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं हुआ। भोजन परोसने के लिए बांस की प्लेटें और लकड़ी के चम्मच अपनाए गए, तो पानी के लिए प्लास्टिक की बोतलों और पाउच का विकल्प तैयार किया गया। सजावट और सूचना पट्टों में भी दोबारा इस्तेमाल होने वाली सामग्री का उपयोग हुआ। यही नहीं, आयोजन के दौरान निकलने वाले कचरे को अलग-अलग संग्रहित कर उसके उचित निस्तारण की व्यवस्था भी की गई। स्वनिधि महोत्सव ने नवाचार के जरिए मिसाल पेश की कि हजारों लोगों की भागीदारी वाले आयोजन भी प्लास्टिक मुक्त और पर्यावरण अनुकूल तरीके से संपन्न किए जा सकते हैं।

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित पीएम स्वनिधि महोत्सव में प्रदेश के लगभग 2500 पथ विक्रेताओं और उनके परिजनों ने हिस्सा लिया। आयोजन का उद्देश्य पथ विक्रेताओं की उद्यमशीलता का सम्मान करने के साथ उन्हें आर्थिक एवं डिजिटल रूप से सशक्त बनाना तथा शहरी अर्थव्यवस्था में उनके योगदान को रेखांकित करना था। बीसियों फूड स्टॉलों पर प्लास्टिक की डिस्पोजेबल प्लेटों के बजाय बांस से बनी प्लेटों और प्लास्टिक के चम्मचों की जगह लकड़ी के चम्मचों का उपयोग किया गया। प्लास्टिक के कप और गिलासों का भी इस्तेमाल नहीं हुआ। इसी तरह पानी के लिए प्लास्टिक की बोतलें और पाउच उपलब्ध कराने के बजाय वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में 2500 लोगों के खाने के लिए टेबल और बेंच की व्यवस्था कर बांस की थालियों में भोजन और कागज के गिलास में पानी परोसे गए। आवश्यकता के अनुसार जैव निम्नीकरणीय और कम्पोस्ट योग्य सामग्री को प्राथमिकता दी गई। इस व्यवस्था के जरिए दिखाया गया कि बड़ी संख्या में लोगों के भोजन और पेयजल का प्रबंध एकल उपयोग प्लास्टिक के बिना भी किया जा सकता है।

महोत्सव में पर्यावरण संरक्षण का प्रयोग केवल खानपान तक सीमित नहीं रहा। कार्यक्रम स्थल की सजावट और सूचना पट्टों में भी ऐसी सामग्री का इस्तेमाल किया गया, जिसका दोबारा उपयोग किया जा सके। आयोजन के दौरान कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन पर भी ध्यान दिया गया। गीले, सूखे और अन्य अस्वीकृत अपशिष्ट को निकलने के स्थान पर ही अलग-अलग संग्रहित करने की व्यवस्था की गई।

शांति नगर के दुर्गा मंदिर में आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम में शामिल हुए छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल

श्रीकंचनपथ समाचार



जगदलपुर। छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल के जगदलपुर प्रवास के दौरान शांति नगर स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में प्रात:कालीन योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर के योग प्रेमियों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने उपस्थित नागरिकों से मुलाकात की तथा योग, स्वास्थ्य और बेहतर जीवनशैली से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद किया।

कार्यक्रम में योग शिक्षिका एवं प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर पूजा साहू द्वारा मंच से योगाभ्यास कराया गया। उन्होंने विभिन्न योगासनों, प्राणायाम एवं श्वास नियंत्रण की बारीकियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। साथ ही नियमित योगाभ्यास के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, तनाव कम करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी।

पूजा साहू ने बताया कि किस प्रकार सही तरीके से श्वास लेने, उस पर नियंत्रण रखने और नियमित योगाभ्यास को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने से शरीर को स्वस्थ एवं मन को शांत रखा जा सकता है। उन्होंने योग की छोटी-छोटी बारीकियों को समझाते हुए इसे केवल व्यायाम नहीं, बल्कि बेहतर और संतुलित जीवन जीने की एक महत्वपूर्ण पद्धति बताया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने योग प्रेमियों एवं उपस्थित नागरिकों से संवाद करते हुए नियमित योगाभ्यास को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि योग के प्रति जागरूकता और सामूहिक सहभागिता से समाज में स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार किया जा सकता है।

कार्यक्रम में देवीलाल पटेल, निज सचिव, गौरव देवांगन , सहायक लेखाधिकारी, पूजा साहू, योग शिक्षिका एवं प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर, डॉ. दुर्गा साहू, प्रेग्नेंसी योग विशेषज्ञ तथा चंचल डिक्सेना, मार्शल आर्ट ट्रेनर सहित बड़ी संख्या में योग प्रेमी एवं नगरवासी उपस्थित रहे।

भगवान बिरसा मुंडा का जीवन साहस, स्वाभिमान और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा

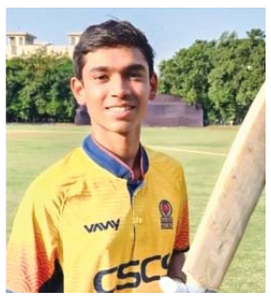


बिलासपुर। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संबोधन सुना गया। कार्यक्रम में महापौर पूजा विधानी, कलेक्टर संजय अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे सहित जनप्रतिनिधि एवं आदिवासी समाज के लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। देश की स्वतंत्रता एवं आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए उनके संघर्ष और बलिदान को याद किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती से पूरे देश का गौरव जुड़ा है। उनका जीवन और संघर्ष प्रत्येक देशवासी को प्रेरणा देता है। जनजातीय गौरव दिवस आज संपूर्ण देश का राष्ट्रीय उत्सव बन गया है। भगवान बिरसा मुंडा ने सदैव अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाई और समाज के सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री ने आदिवासी समाज के सफल उद्यमियों से संवाद कर उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की कहानी सुनी और उनका उत्साहवर्धन किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में गरीबी उन्मूलन के प्रयासों से आदिवासी, अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग के परिवारों के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं। प्रत्येक नागरिक की भागीदारी और प्रयासों से देश विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद का सबसे अधिक दंश आदिवासी समाज ने झेला है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : छत्तीसगढ़ की धमाकेदार शुरुआत, उत्तराखंड को 5 विकेट से हराया

श्रीकंचनपथ समाचार





रायपुर। बीसीसीआई द्वारा आयोजित सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी 2026-27 में छत्तीसगढ़ की टीम ने शानदार आगाज किया है। 14 नवंबर 2026 को कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान में खेले गए पहले मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने उत्तराखंड को 5 विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की।

मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी उत्तराखंड की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 197 रन बनाए। उत्तराखंड की ओर से अवनीश सुधा ने नाबाद 48 रनों की पारी खेली, जबकि जगदीश सुचित ने 46 रन बनाए। इनके अतिरिक्त जेतस्वी जायसवाल और युवराज चौधरी ने 26-26 रनों का योगदान दिया।

छत्तीसगढ़ की ओर से शुभम अग्रवाल ने 2 विकेट हासिल किए, जबकि सौरभ मजूमदार और संदीप वॉरियर को 1-1 विकेट मिला।

198 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। टीम ने महज 18.3 ओवरों में 5 विकेट खोकर 202 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। छत्तीसगढ़ की ओर से अजय मंडल ने शानदार 66 रनों की पारी खेली। वहीं कप्तान विकल्प तिवारी ने मात्र 17 गेंदों में 50 रन बनाकर मुकाबले का रुख छत्तीसगढ़ की ओर मोड़ दिया। इनके अतिरिक्त राहुल प्रधान ने 25 रन बनाए, जबकि शशांक चंद्राकर ने नाबाद 20 रनों का योगदान दिया। उत्तराखंड की ओर से आकाश मधवाल और अग्निवेश ने 2-2 विकेट हासिल किए। इस तरह छत्तीसगढ़ की टीम ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए उत्तराखंड को 5 विकेट से हराकर सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी 2026-27 में विजयी शुरुआत की।

कप्तान विकल्प तिवारी और अजय मंडल की तूफानी पारियां टीम की जीत की सबसे बड़ी वजह रहीं।

पगडंडियों से पक्की राह तक, पीएम-जनमन की सड़कें बदल रहीं पीवीटीजी बसाहटों की तस्वीर

कोरबा। दुर्गम वनांचलों में बसे विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के परिवारों के लिए पक्की सड़क केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा और शासन की सुविधाओं तक पहुँचने की नई राह है। कोरबा जिले में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) के तहत बनी सड़कें उन बसाहटों को मुख्य मार्गों से जोड़ रही हैं, जहाँ के लोग पहले पथरीली पगडंडियों और कठिन रास्तों से पैदल सफर करने को मजबूर थे। कोरबा विकासखंड के जामभाठा, सोनारी और आसपास के टोला-पारों में रहने वाले पहाड़ी कोरवा और पंडो परिवारों के लिए यह बदलाव अब रोजमर्रा की जिंदगी में दिखाई देने लगा है। ग्राम देवपहरी मुख्य मार्ग से इन बसाहटों तक बनी लगभग 3.60 किलोमीटर लंबी पक्की सड़क ने पहाड़ी और पथरीले क्षेत्र का सफर आसान किया है। पहले बारिश में रास्ते कीचड़ और फिसलन से भर जाते थे। बीमार व्यक्ति को अस्पताल ले जाना, बच्चों का स्कूल पहुँचना और राशन लाना परिवारों के लिए कठिन काम था। कई बार वाहन गाँव तक नहीं पहुँच पाते थे।

विजय मर्चेंट ट्रॉफी: पहली पारी में 67 रन पर सिमटी छत्तीसगढ़ की टीम, आदित्य बैदवाल ने झटके 5 विकेट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बीसीसीआई द्वारा आयोजित मेंस अंडर-16 विजय मर्चेंट मल्टी डे ट्रॉफी 2026 का आयोजन 14 नवंबर से किया जा रहा है। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम अपना पहला तीन दिवसीय मुकाबला 14 से 16 नवंबर 2026 तक लखनऊ में महाराष्ट्र अंडर-16 टीम के विरुद्ध खेल रही है।





मुकाबले में महाराष्ट्र अंडर-16 ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम की पहली पारी बेहद निराशाजनक रही। पूरी टीम 34.5 ओवरों में मात्र 67 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। छत्तीसगढ़ की ओर से उज्ज्वल मरकाम ने सर्वाधिक 47 रन बनाए।

उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सका। महाराष्ट्र की ओर से श्रेयस ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट हासिल किए।

इसके जवाब में महाराष्ट्र अंडर-16 की टीम भी छत्तीसगढ़ के गेंदबाजों के सामने संघर्ष करती नजर आई। महाराष्ट्र की पहली पारी 55 ओवरों में 94 रनों पर सिमट गई। टीम की ओर से मज्तबा सैयद ने 31 रन और अर्नव पाटिल ने 28 रनों का योगदान दिया।

छत्तीसगढ़ की ओर से आदित्य बैदवाल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके, जबकि चंद्र प्रकाश साहू ने 4 विकेट हासिल कर महाराष्ट्र की पारी को समेटने में अहम भूमिका निभाई। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक महाराष्ट्र की टीम ने पहली पारी के आधार पर 27 रनों की बढ़त हासिल कर ली है। अब मुकाबले के दूसरे दिन छत्तीसगढ़ की टीम से बेहतर बल्लेबाजी की उम्मीद होगी।

छत्तीसगढ़ ने जीत के साथ किया आगाज, पहले मुकाबले में पुडुचेरी को 6 विकेट से हराया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बीसीसीआई द्वारा आयोजित वुमेंस अंडर-23 टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 का शुभारंभ 14 नवंबर से हुआ। टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ की टीम ने अपने पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुडुचेरी अंडर-23 टीम को 6 विकेट से हराकर जीत के साथ अभियान की शुरुआत की। यह मुकाबला 14 नवंबर 2026 को तिरुवनंतपुरम में खेला गया।





मैच में पांडेचेरी अंडर-23 ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पुडुचेरी की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 105 रन ही बना सकी। टीम की ओर से युवाश्री कार्तिकेयन ने सर्वाधिक 47 रन बनाए, जबकि अमृता सरन ने 22 रनों का योगदान दिया।

छत्तीसगढ़ की ओर से गेंदबाजी में श्रेया श्रीवास और अंशी अग्रवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-2 विकेट हासिल किए।

106 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए महज 16 ओवरों में 4 विकेट खोकर 106 रन बना लिए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। छत्तीसगढ़ की ओर से मिताली शर्मा ने 33 रन बनाए, जबकि कप्तान कृति गुप्ता ने नाबाद 33 रनों की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। वहीं चांद चेलक ने 16 रनों का योगदान दिया। पांडेचेरी की ओर से अबिराम रामामूर्ति और अमृता सरन ने 2-2 विकेट प्राप्त किए।

इस तरह छत्तीसगढ़ की महिला अंडर-23 टीम ने टूर्नामेंट के अपने पहले ही मुकाबले में 6 विकेट से शानदार जीत दर्ज कर विजयी शुरुआत की।

राष्ट्रीय साइकिल पोलो प्रतियोगिता: जोधपुर (राजस्थान) में छत्तीसगढ़ का शानदार आगाज

सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग में दर्ज की धमाकेदार जीत

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। जोधपुर, राजस्थान में राजा भँवर साहब के जन्मदिन तथा जोधपुर युवराज साहब की शादी की सालगिरह के अवसर में मनाये जा रहे भव्य उत्सव के दौरान 15 नवंबर से 18 नवंबर तक साइकिल पोलो फेडरेशन ऑफइंडिया द्वारा आयोजित हो रही प्रतिष्ठित राष्ट्रीय साइकिल पोलो प्रतियोगिता—47वीं पुरुष सीनियर, 45वीं जूनियर और 41वीं सब-जूनियर बालक वर्ग—का भव्य और रोमांचक शुभारंभ हुआ।



इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारतीय वायुसेना **(Indian Air Force)**, भारतीय सेना **(Indian Army)** और प्रादेशिक सेना **(Territorial Army)** सहित देश के कुल 22 अलग-अलग राज्यों **(States)** की टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता के पहले ही दिन अपने लीग मैचेस में छत्तीसगढ़ की टीमों ने अपने उत्कृष्ट खेल का शानदार प्रदर्शन करते हुए मैदान पर अपना दबदबा कायम किया और शुरुआती मुकाबलों में एक तरफा जीत हासिल की।

दिन के पहले मुकाबले में छत्तीसगढ़ की सब-जूनियर टीम ने पश्चिम बंगाल को 4-0 के बड़े अंतर से करारी शिकस्त दी। छत्तीसगढ़ की इस शानदार जीत में कप्तान भावेश ने 1 गोल, तन्मय ने 2 शानदार गोल और तेजेश्वर ने 1 गोल का योगदान दिया। एक कड़े और रोमांचक मुकाबले में छत्तीसगढ़ सीनियर टीम ने पिछले फेडरेशन कप 2026 की रनर-अप रही मजबूत प्रादेशिक सेना (ञ्) की टीम को 6-2 के स्कोर से परास्त कर तहलका मचा दिया। इस मुकाबले में कप्तान गुलशन ने 2 गोल, विकास ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 3 गोल और दुष्यंत ने 1 गोल दागा। जूनियर वर्ग के मुकाबले में छत्तीसगढ़ और केरल की टीमें आमने-सामने थीं, जिसमें छत्तीसगढ़ ने श्रेष्ठ समन्वय और आक्रामक खेल दिखाते हुए 5-1 से मैच अपने नाम किया। इस मैच में कप्तान शुभम ने 2 गोल, पीयूष ने 1 गोल और राहुल निर्मलकर ने 2 गोल कर टीम की जीत पक्की की। दिन के लीग के मैचेस के एक अन्य मुकाबले में छत्तीसगढ़ सीनियर टीम ने अपनी विजेता लय को बरकरार रखते हुए ओडिशा के खिलाफशानदार प्रदर्शन किया और 8 गोल के मुकाबले शून्य गोल से परास्त कर एक और धमाकेदार जीत दर्ज की। उड़ीसा की टीम अंत तक एक भी गोल नहीं बना पाई ।इस मुकाबले में दुष्यंत ने 2 गोल, विकास ने 2 गोल, कप्तान गुलशन ने 2 गोल, रोहन ने 1 गोल और करन ने 1 गोल दागा।

पदक की उम्मीदें और शानदार शुरुआत

विगत वर्षों में आरा में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सब-जूनियर और सीनियर टीम ने कांस्य पदक हासिल किया था, जो इस बार 'गोल्ड' की पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरे हैं। वहीं, जूनियर टीम तो विगत 7 वर्षों से लगातार स्वर्ण पदक विजेता रही है, जिसने इस बार भी अपने दमदार प्रदर्शन से दर्शकों का मन मोह लिया। खिलाड़ियों के इस शानदार प्रदर्शन और मनोबल को बढ़ाने के लिए छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो दल विनायक चन्नावार, तोषेंद्र वर्मा, देव प्रकाश वर्मा और शशांक देशमुख का निरंतर मार्गदर्शन रहा, जिनके सहयोग और प्रशासनिक समर्थन से टीम लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है।

26 नवीन धान उपार्जन केन्द्र खुलने से किसानों को मिली बड़ी राहत

रायपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत राजनांदगांव जिले में आज समर्थन मूल्य पर धान खरीदी महाअभियान का आगाज उमंग, उत्साह और खुशी के माहौल में हुआ। जिले के 117 धान उपार्जन केन्द्रों में पहले दिन धान खरीदी की शुरूआत की गई। धान खरीदी के प्रथम दिन 805 किसानों को टोकन जारी किए गए। किसानों ने टोकन तुंहर द्वार मोबाइल एप के माध्यम से टोकन प्राप्त किया। धान खरीदी प्रारंभ होने से किसानों में प्रसन्नता रही। किसान सुबह से ही अपना धान लेकर उपार्जन केन्द्रों में पहुंचने लगे। जिला प्रशासन द्वारा किसानों की सुविधा के लिए धान उपार्जन केन्द्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

सक्ती में हाईवा से बैटरियां चोरी करने वाला गिरफ्तार



सक्ती। सक्ती जिले में हाईवा वाहनों से चार बैटरियां चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की गई बैटरियां, जिनकी कीमत करीब 32 हजार रुपए है, बरामद की गई हैं। वारदात में इस्तेमाल की गई बिना नंबर की बाइक भी जब्त की गई है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। जमगहन निवासी शिव प्रसाद चंद्रा और ग्राम धोबनीपाली निवासी रजनीश चंद्रा ने 13 नवंबर 2026 को चौकी फगुरम में चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 12 नवंबर की रात अज्ञात आरोपी ने उनके हाईवा वाहनों में लगी चार बैटरियां चोरी कर ली थीं। पुलिस ने मामले में चौकी फगुरम थाना डभरा में अपराध क्रमांक 454/2026 और 455/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) में अलग-अलग केस दर्ज कर जांच शुरू की।

नाबालिग का अबॉर्शन कराने वाली महिला डॉक्टर गिरफ्तार

बिलासपुर। बिलासपुर के तोरवा थाना क्षेत्र में नाबालिग किशोरी का अबॉर्शन कराने के मामले में पुलिस ने महिला डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि डॉक्टर को किशोरी के नाबालिग होने की जानकारी थी, इसके बावजूद शासन की अनुमति के बिना उसका अबॉर्शन कराया गया। मामले में पुलिस ने साक्ष्य जुटाने के बाद पहले किशोरी का शोषण करने के आरोपी युवक को गिरफ्तार किया था। अब जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर डॉक्टर के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। गणेश सोनी पर नाबालिग पीड़िता को शादी का झांसा देकर उसका दैहिक शोषण करने का आरोप है। इसके बाद आरोपी ने डॉक्टर सुबध मसीह के सहयोग से किशोरी का गर्भपात कराया। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान इससे जुड़े साक्ष्य जुटाए और पहले गणेश सोनी के खिलाफ कार्रवाई की।

बिलासपुर में मिली रायगढ़ के युवक की लाश

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर के लालखदान स्थित संत नगर में सड़क किनारे युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिलने से हड़कंप मच गया है। मृतक की पहचान रायगढ़ के घरघोड़ा निवासी उत्तम कुमार के रूप में हुई है। मामला तोरवा थाना क्षेत्र का है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची है। शव के पास से पानी बोतल, पर्स और गमछा मिला है। फोरेंसिक टीम ने भौतिक साक्ष्य जुटाकर जांच के लिए भेजे हैं। शुरूआती तौर पर मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि पुलिस की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट मौत का असली राज खोलेगी। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। वहीं शव के पास मिले सामाग्रियों को जब्त किया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालने और लोगों से घटना के संबंध में पता लगाने की कोशिश की जा रही है। मामले की जांच जारी है।

काला सूअर कहने पर दोस्त को फावड़े से काट डाला

बहन पर गलत नजर का शक, हत्या के बाद डैम में फेंका शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में सूअर और काला-कुरूप कहकर चिढ़ाने से नाराज दोस्त ने अपने साथी की हत्या कर दी। किशन साहू (19) को यह भी शक था कि आदित्य टंडन (19) उसकी बहन पर गलत नीयत रखता था और उसे नीचा दिखाता था। इसी गुस्से में आकर उसने आदित्य को मार डाला।

आरोपी किशन ने लोहे के फावड़े से आदित्य के सिर और चेहरे पर कई वार किए। इसके बाद शव को गिधौरी और घटमड़वा के बीच स्थित बांध के पानी में फेंक दिया। 14 नवंबर को युवक का शव मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया फावड़ा और मृतक का मोबाइल भी जब्त किया है। मामला गिधौरी थाना क्षेत्र का है। किशन साहू (19) और आदित्य टंडन (19) दोनों बचपन के दोस्त थे और साथ में मजदूरी करते थे। दोनों का एक-दूसरे के घर भी आना-जाना था। दोस्ती के बावजूद उनके बीच चिढ़ाने और आपसी विवाद को लेकर तनाव था।

पानी में मिला था युवक का शव

पुलिस के मुताबिक, 14 नवंबर की सुबह करीब 11 बजे सूचना मिली कि गिधौरी और घटमड़वा के बीच डैम के पानी में एक युवक का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही गिधौरी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया। मृतक की पहचान गिधौरी के आदित्य टंडन (19) के रूप में हुई।

आदित्य के सिर और माथे पर चोट



के निशान देखकर पुलिस को हत्या का शक हुआ। इसके बाद एफएसएल टीम को बुलाकर घटनास्थल की जांच कराई गई। जांच के दौरान पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे और लोगों से पूछताछ की। इसमें पता चला कि 13 नवंबर की दोपहर आदित्य को किशन साहू के साथ घटमड़वा एनीकट की तरफ जाते देखा गया था। उस समय किशन के हाथ में फावड़े जैसा एक हथियार भी था।

इस आधार पर पुलिस ने किशन को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में उसने आदित्य की हत्या करना स्वीकार कर लिया। उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल लोहे का फावड़ा भी बरामद किया गया।

बहन पर गलत नजर रखने का था शक

पुलिस के मुताबिक, किशन को शक था कि आदित्य उसकी बहन पर बुरी नजर रखता है। इसके अलावा आदित्य उसे उसके रंग को लेकर उसका मजाक उड़ता। साथ ही, उसे नीचा दिखाने सूअर और काला-कुरूप कहकर चिढ़ाता था।

इन बातों से वह नाराज था। इसी रंजिश में उसने आदित्य पर फावड़े से हमला कर दिया। सिर और चेहरे पर कई वार करने से उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी ने शव को नाला बांधा के पानी में फेंक दिया।

एसडीओपी केके वासनिक ने बताया कि पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देश पर गिधौरी पुलिस, एफएसएल और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने मामले की जांच की। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर आरोपी को पकड़ लिया गया। पुलिस ने आरोपी किशन साहू के खिलाफ गिधौरी थाने में अपराध क्रमांक 239/2026 के तहत धारा 103(1) बीएनएस में केस दर्ज किया है। उसे 15 नवंबर को गिरफ्तार किया गया। अब उसे न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया की जा रही है।

युवती से गैंगरेप : बॉयफ्रेंड के साथ घूमने गई थी अटल रॉक गार्डन, वहीं युवकों ने घेर लिया



श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ जिले के बोतल्दा स्थित अटल रॉक गार्डन में युवती से गैंगरेप का मामला सामने आया है। यहां बॉयफ्रेंड के साथ घूमने गई 20 साल की युवती के साथ दो युवकों ने बारी-बारी से रेप किया। आरोपियों ने पहले दोनों को धमकाया और मारपीट कर पैसे छीन लिए। घटना के बाद पीड़िता ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

फिलहाल पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। मामला खरसिया थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, सक्ती थाना क्षेत्र की रहने वाली 20 साल की युवती शनिवार को अपने बॉयफ्रेंड के साथ बोतल्दा स्थित अटल रॉक गार्डन घूमने गई थी। दोनों पिकनिक स्पॉट से पहाड़ के ऊपर पहुंचे थे। इसी दौरान वहां दो युवक आ गए। आरोप है कि दोनों युवकों ने पहले युवक और युवती को धमकाया। इसके बाद उनके साथ मारपीट की और रुपए छीन लिए। फिर दोनों ने युवती के साथ दुष्कर्म किया।

शिकायत के बाद पुलिस ने शुरू की तलाश

घटना के बाद पीड़िता ने थाने पहुंचकर पुलिस को इसकी जानकारी दी और रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। उनकी पहचान बोतल्दा निवासी राहुल पटेल (22) और थनेश्वर पटेल (20) के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि दोनों युवक पहले भी इस इलाके में कई घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं।

कलेक्टर का फर्जी आदेश दिखाकर जब्त बाइक छुड़ाने पहुंचे बदमाश, एआई की मदद से बनाया लेटर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भट्ठी पुलिस द्वारा कलेक्टर दुर्ग के नाम से फर्जी एवं कूटरचित शासकीय आदेश तैयार कर आबकारी कार्यालय से जब्त मोटरसाइकिल छुड़ाने पहुंचे दो बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने एआई की सहायता से फर्जी आदेश तैयार कर उसे वास्तविक शासकीय आदेश के रूप में प्रस्तुत किया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त मोबाइल एवं फर्जी दस्तावेज जब्त किए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार 14 नवंबर को प्रार्थी भोजराम रत्नाकर द्वारा थाना भिलाई भट्ठी में इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। उन्होंने बताया कि जय कुमार आडिल एवं युगल किशोर शर्मा, दोनों आबकारी नियंत्रण कक्ष, सेक्टर-01 भिलाई पहुंचे थे। दोनों आरोपियों द्वारा वर्ष 2025 के आबकारी प्रकरण में जब्त मोटरसाइकिल को सुपुर्दनामा में प्राप्त करने के लिए कलेक्टर दुर्ग के नाम से जारी एक आदेश प्रस्तुत किया गया।

आबकारी कार्यालय में प्रस्तुत आदेश के परीक्षण एवं सत्यापन के दौरान उक्त दस्तावेज फर्जी एवं कूटरचित पाया गया। इस पर थाना भिलाई भट्ठी में आरोपियों के विरुद्ध अपराध





पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने एआई की सहायता से कलेक्टर दुर्ग के नाम से फर्जी आदेश तैयार कर आबकारी कार्यालय में प्रस्तुत करना स्वीकार किया। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन एवं फर्जी आदेश की प्रति जब्त की गई। दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी भिलाई भट्ठी निरीक्षक धीरेन्द्र नाथ दुबे, सउनि पुनीत राम वर्मा, प्रधान आरक्षक पुरुषोत्तम साहू, आरक्षक अमित सिंह, बालेन्द्र द्विवेदी, युगल देवांगन, जयनारायण यादव एवं आशीष प्रसाद की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी शासकीय आदेश, प्रमाण-पत्र अथवा आधिकारिक दस्तावेज की सत्यता की पुष्टि संबंधित विभाग से अवश्य करें। एआई अथवा डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर फर्जी शासकीय दस्तावेज तैयार करना एवं उनका उपयोग करना दंडनीय अपराध है। इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। नागरिक किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा अपराध की जानकारी तत्काल पुलिस को दें।

कॉपर तार चोरी और खदान में मारपीट के दो मामले, 4 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के बांकीमोंगरा थाना पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें गेवरा-पेंड्रा रोड नई रेल लाइन परियोजना से कॉपर तार चोरी और सिंघाली खदान में घुसकर सुरक्षा प्रहरियों से मारपीट करने का मामला शामिल है। पुलिस ने सभी गिरफ्तार आरोपियों को जेल भेज दिया है। दूसरे मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस के मुताबिक, 30-31 अक्टूबर 2026 की रात घुड़देवा इलाके से नई रेल लाइन परियोजना का 300 मीटर ओएचई कॉपर कैटेनरी वायर चोरी हो गया था। इसकी कीमत करीब 3 लाख रुपए बताई गई है। इस मामले में अभिषेक कुमार पंडित ने 31 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज कराई



थी। पुलिस ने अपराध क्रमांक 225/2026 के तहत केस दर्ज किया। मुखबिर से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने सिद्ध कुमार बघेल से पूछताछ की। उसने बताया कि चोरी का तार गुलशन बर्मन और गिरीलाल पटले से लेकर किरण कबाड़ी दुकान के आकाश साहू को बेचा गया था। इसके बाद पुलिस ने गुलशन बर्मन, गिरीलाल पटले और सिद्ध कुमार बघेल को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों में गुलशन बर्मन (21) जेदुकछाई निवासी और सुरक्षा गार्ड है। गिरीलाल पटले (39) बेलटुकरी, बलौदा, जांजगीर का रहने वाला है। सिद्ध कुमार बघेल (41) घुड़देवा निवासी और कबाड़ी है।

सिंघाली खदान में घुसकर सुरक्षा प्रहरियों से मारपीट

दूसरा मामला एसईसीएल की सिंघाली खदान का है। प्रताप नारायण पटेल ने पुलिस को बताया कि वह मारखं यादव, जगतराम यादव, रमेश पटवा और घुमान दास के साथ खदान की वर्कशॉप में ड्यूटी पर थे। इसी दौरान रात 8:40 बजे सोना उर्फ विरेन्द्र, परमेश्वर, तखत और विजय चोरी की नीयत से प्रतिबंधित इलाके में घुस गए।

आरोपियों ने सुरक्षा प्रहरियों के साथ गाली-गलौज और मारपीट की। उन्होंने पत्थर भी फेंके और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने इस मामले में विरेन्द्र कुमार पाटले उर्फ सोना (23), निवासी बांधापारा अरदा को गिरफ्तार किया है। उसे जेल भेज दिया गया है। बाकी आरोपियों की तलाश की जा रही है।

धान मिंजाई के दौरान दर्दनाक हादसा मशीन की चपेट में आया किसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। जिले में धान की मिंजाई के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। मशीन की चपेट में आने से किसान नरेश बड़ाई का दाहिना हाथ बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में उनके हाथ का पंजा करीब 99 प्रतिशत तक खराब हो गया, जिसके बाद डॉक्टरों को ऑपरेशन कर पंजा काटना पड़ा।

जानकारी के मुताबिक, श्याम नगर निवासी नरेश बड़ाई धान की मिंजाई कर रहे थे। इसी दौरान अचानक उनका दाहिना हाथ मिंजाई मशीन के अंदर चला गया। मशीन की चपेट में आने से उनका हाथ गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

डॉक्टरों को काटना पड़ा किसान का दाहिना पंजा

घटना के बाद ग्रामीणों की मदद से घायल किसान को तत्काल पखांजूर सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। यहां उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए धमतरी रेफर कर दिया। धमतरी में उपचार के दौरान डॉक्टरों को उनका दाहिना पंजा काटकर अलग करना पड़ा। धान खरीदी की तैयारियों के बीच घटना से किसान परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

रायपुर में गांजा बेचने वाले 26 आरोपी पकड़ाए

तेलीबांधा पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टीम ने संयुक्त कार्रवाई कर चलाया अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के सुभाष नगर देवारपारा इलाके में पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई की है। तेलीबांधा पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टीम ने संयुक्त रूप से दबिश देकर गांजा बेचने के आरोप में 26 लोगों को पकड़ा है।

दरअसल, देवारपारा में गांजे की खरीदी-बिक्री और नशे के अवैध कारोबार की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद 15 नवंबर को पुलिस ने इलाके में विशेष अभियान चलाया। इस दौरान संदिग्ध गतिविधियों में शामिल 26 लोगों के खिलाफ



कार्रवाई की गई। पुलिस ने इलाके में दबिश देकर सघन जांच अभियान चलाया। इसमें तेलीबांधा थाने की टीम के साथ एंटी नारकोटिक्स टीम भी शामिल रही।

पुलिस का कहना है कि इलाके में नशे के अवैध कारोबार पर रोक लगाने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जाएगी। रायपुर पुलिस ने लोगों से अपील की है कि आसपास गांजा बिक्री या नशे से जुड़ी अवैध गतिविधियों की जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस को बताएं। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

चाकू दिखाकर लोगों को डराने वाले गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा के चांपा में चाकू दिखाकर लोगों को डराने के आरोप में पुलिस ने कोरबा जिले के दो युवकों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से बड़े धारदार चाकू जब्त किए। दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया।

पुलिस के मुताबिक, 14 नवंबर 2026 को मुकुंद टॉकीज के संचालक ने फोन कर बताया कि दो लोग मोटरसाइकिल स्टैंड के पास बड़े नुकीले चाकू लेकर खड़े हैं। वे आने-जाने वाले लोगों को चाकू दिखाकर डरा रहे हैं। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश शेण्डे ने पेट्रोलिंग टीम को मौके पर भेजा। पुलिस ने दोनों को



पकड़कर पूछताछ की।

आरोपियों की पहचान उमेश यादव (25), पिता छतराम यादव, निवासी खरहरकुड़ा, थाना उरगा, जिला कोरबा और करन गोस्वामी (24), पिता गोरेलाल गोस्वामी, निवासी नवलपुर, थाना उरगा, जिला कोरबा के रूप में हुई।

दोनों को 14 नवंबर को गिरफ्तार किया गया। 15 नवंबर 2026 को उन्हें न्यायिक रिमांड के लिए न्यायालय में पेश किया गया।

अनपढ़-साथी की मदद के बहाने खाते से निकाले 2.30 लाख, आरोपी गिरफ्तार

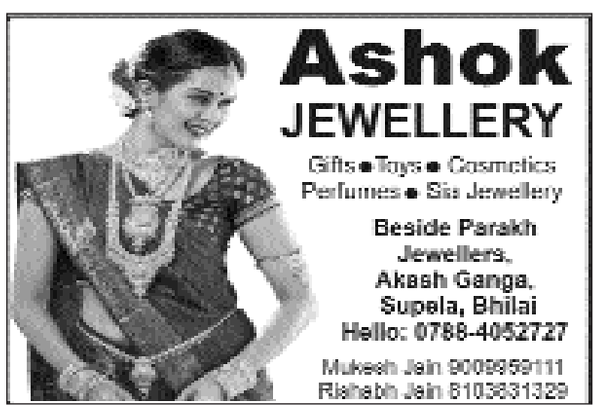
श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में बैंक खाते से बिना जानकारी 2.30 लाख रुपए निकालने का मामला सामने आया है। साथ काम करने वाले होरी लाल यादव (30) ने अपने अनपढ़ साथी दिनेश यादव के भरोसे का फायदा उठाया। वह बैंक में रुपए जमा करने और निकालने में उसकी मदद करता था। इसी दौरान उसे खाते और लेनदेन की जानकारी हो गई। आरोप है कि उसने 24 अगस्त 2025 से 7 मार्च 2026 के बीच अलग-अलग किस्तों में खाते से रकम निकाल ली। शिकायत के बाद वैशाली नगर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

राजीव नगर सुपेला निवासी दिनेश यादव का कैनरा बैंक सुपेला में खाता है। वह पढ़ा-लिखा नहीं है और बैंक में रुपए जमा करने या निकालने के लिए अपने साथ काम करने वाले होरी लाल यादव की मदद लेता था। इस वजह से होरी लाल को उसके बैंक खाते और लेनदेन की जानकारी थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने इसी जानकारी और भरोसे का फायदा उठाया। उसने 24 अगस्त 2025 से 7 मार्च 2026 के बीच दिनेश की जानकारी और सहमति के बिना अलग-अलग किस्तों में करीब 2 लाख 30 हजार रुपए निकाल लिए। रकम खाते से निकलती रही, लेकिन दिनेश को इसकी जानकारी नहीं हुई। बाद में खाते से रुपए गायब होने का पता चलने पर थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 430/2026 के तहत धारा 305 बीएनएस में मामला दर्ज किया। जांच में पर्याप्त सबूत मिलने पर पुलिस ने 13 नवंबर को उसे गिरफ्तार कर लिया। न्यायालय में पेश करने के बाद उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

रायपुर में रिटायर्ड रेलकर्मी से 7.49 लाख की ठगी

रायपुर। रायपुर में साइबर ठगों ने पेंशन से जुड़ी प्रक्रिया पूरी कराने का झांसा देकर रिटायर्ड रेलकर्मी रायपुरा निवासी श्रद्धा जोल्दे (52) के खाते से 7 लाख 49 हजार 783 रुपए पार कर दिए। आरोपी ने खुद को डीआरएम ऑफिस का कर्मचारी बताया। उसने रिटायरमेंट के बाद पीआरओ नंबर अपडेट कराने की बात कही। इसके बाद मोबाइल पर रेलवे का एचआरएमएस ऐप और बैंक ऑफ बड़ौदा से जुड़ा लिंक डाउनलोड करवाया। कुछ ही देर में खाते से पूरी रकम ऑनलाइन ट्रांसफर हो गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है और जांच शुरू कर दी है। यह मामला डीडी नगर थाना क्षेत्र का है।







छत्तीसगढ़ शासन

किसानों के सम्मान और समृद्धि का उत्सव



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

धान खरीदी उत्सव 2026-27

15 नवंबर 2026 से धान खरीदी प्रारंभ

प्रदेश के सभी **3,100 उपार्जन केंद्रों पर होगी खरीदी**

₹3,100 प्रति क्विंटल
की दर से धान खरीदी

₹13,839 प्रति एकड़
की दर से आदान सहायता

21 क्विंटल से कम
धान बेचने पर भी मिलेगी
पूरी आदान सहायता राशि

25.49 लाख कृषक एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीकृत
कृषकों को **नहीं कराना होगा दोबारा पंजीयन**

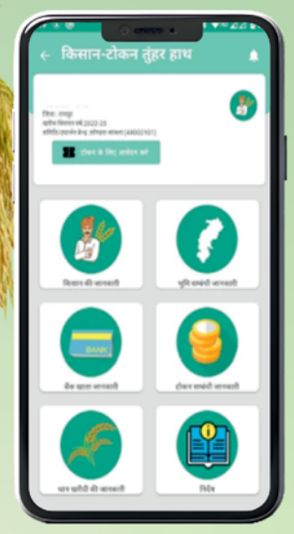
कृषक कल्याण की
विभिन्न योजनाओं से
₹ 1.50 लाख करोड़
से अधिक की राशि अंतरित

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि
25 लाख किसान
लाभान्वित



बायोमेट्रिक प्रणाली से
पारदर्शी खरीदी व्यवस्था

तुंहर टोकन ऐप से
घर बैठे टोकन व्यवस्था



24x7
उपलब्ध

RO- 49792/105

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in
हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950